तिथि : आषाढ़-कृष्ण पक्ष-सप्तमी

सोना-46, 773

चांदी- 67, 747

शेयर मार्केट- 52 : 482

निफ्टी- 15.721

अधिकतम -39°c

न्यूनतम -30°c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

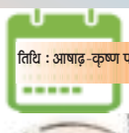

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 17 अंक-218 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, गुरूवार 1 जुलाई, 2021 | पृष्ठ-8 | मूल्यः दो रुपये

यूपी में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की बड़ी पहल

58 हजार बीसी सखी तैयार कर रही योगी सरकार

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महिलाओं को रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाने की सबसे बड़ी पहल की है। गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाओं को पहुंचाने के लिये राज्य सरकार ने 17500 बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट) बनाने का काम पूरा कर लिया है। इसके अलावा 58 हजार बीसी सखी को प्रशिक्षण देने का काम तेज गति से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि 17500 बीसी सखी का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है और उनको पैसा हस्तांतरित किया जा रहा है। सरकार के इस प्रयास से बैंकिंग सेवाएं लोगों के घरों तक पहुंची हैं। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को अपने बैंक खातों से धनराशि निकालने और उसे जमा करने में बड़ी आसानी हुई है। उनका बैंक शाखाओं तक जाने का खर्चा बच रहा है और घर के करीब ही बैंक के रूप में बीसी सखी मिल जा रही हैं। यूपीकॉन बना सहयोगी, 1200 बीसी सखी बनी सीएम योगी आदित्यनाथ ने आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिये मिशन रोजगार, मिशन शक्ति और मिशन कल्याण योजनाओं को शुरू किया है। इसके तहत तैयार किये गए मास्टर प्लान को सरकार से संबद्ध संस्थान तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। इस क्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा और यूको बैंक के सहयोग से यूपी इंडस्ट्रियल कंसलटेंट्स लिमिटेड (यूपीकॉन) ने 1200 बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट) बना लिये हैं। कंपनी अगले साल तक 7000 बीसी सखी बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में लगी है। गांव से लेकर शहरों में बीसी सखी 24 घंटे बैंकिंग सेवाएं दे रहे हैं। अवसर यूपी सरकार ने 22 मई 2020 से राज्य की सभी महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिये बीसी सखी योजना की ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

निराश्रित महिला पेंशन के लिए अर्ह महिलाओं को पेंशन का लाभ दिलाने के लिए विकास खण्ड/न्याय पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं

मुख्यमंत्री ने नेशनल डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों को शुभकामनाएं दी

लखनऊ, चर्चित ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेशनल डॉक्टर्स डे के अवसर पर चिकित्सकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। आज यहां जारी एक शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि महान चिकित्सक, प्रख्यात स्वाधीनता सेनानी एवं राजनेता डॉ0 बी0सी0 रॉय की जयन्ती पूरे देश में नेशनल डॉक्टर्स डे के रूप में मनायी जाती है। यह दिवस चिकित्सकों द्वारा की जा रही समाज सेवा के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्र निर्माण में चिकित्सकों के दायित्व से सभी अवगत हैं। कोरोना काल खण्ड में डॉक्टरों के योगदान के लिए हम सभी उनके आभारी हैं। हमारे चिकित्सकों ने फ्रण्टलाइन कोरोना वॉरियर्स के रूप में मानवता की सेवा का ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

डिजिटल इंडिया के छह वर्ष

प्रधानमंत्री आज अभियान के लाभार्थियों से करेंगे बातचीत

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। डिजिटल इंडिया अभियान की छठी वर्षगांठ के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम अभियान के लाभार्थियों के साथ बातचीत करेंगे। आइटी मंत्रालय ने बुधवार को इसकी सूचना दी। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि डिजिटल इंडिया न्यू इंडिया की सबसे बड़ी सफलता की कहानियों में से एक रहा है। इससे सेवाओं को सक्षम बनाने, सरकार को नागरिकों के करीब लाने, नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और लोगों को सशक्त बनाने में मदद मिली है। इस अवसर पर आइटी मंत्री रविशंकर प्रसाद भी मौजूद रहेंगे और उद्घाटन भाषण देंगे। संवाद सत्र के बाद प्रधानमंत्री द्वारा एक भाषण दिया जाएगा, जिसमें वह डिजिटल इंडिया की विभिन्न उपलब्धियों और लोगों को जोड़ने में वर्षों से चली आ रही सफलता की कहानी को रेखांकित करेंगे। जानकारी के अनुसार वह इस योजना को आगे बढ़ने वाले विभिन्न विकास कार्यों पर एक दृष्टिकोण भी देंगे। डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के एमडी और सीइओ अभिषेक सिंह ने कहा कि यह एक बहुत ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

डिजिटल इंडिया न्यू इंडिया की सबसे बड़ी सफलता की कहानियों में से एक रहा है।

न्यूज डायरी

मौसम विभाग का यूपी के कई जिलों में छह-सात जुलाई से तेज हवा और झमाझम बारिश का अलर्ट

लखनऊ,चर्चित ब्यूरो। यूपी में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मौसम विभाग का अलर्ट है कि, आने वाले छह-सात जुलाई से फिर से मानसून 2021 सक्रिय होगा और प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होगी। आकाशीय बिजली भी गिरने की पूरी संभावना है। इसके साथ ही दो जुलाई से तराई क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला शुरू होगा। राजधानी लखनऊ से तो इन दिनों मानसूनी गायब हो गए हैं। बादल तो आते हैं पर बिना बरसे चले जाते हैं। मौसम के बारे में निजी जानकारी देने वाली स्काईमेट वेदर एजेंसी के महेश पालावत बताते हैं कि पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। मौसम खुला होने से हवाएं गर्म महसूस हो रही हैं। छह-सात जुलाई से फिर मानसून सक्रिय होगा और प्रदेश में बारिश होगी। दो दिन बाद तराई क्षेत्रों में बारिश की संभावना है। उमस भरी गर्मी के यह तेवर फिलहाल अभी जारी रहने की उम्मीद है।

मुकुल सिंघल बने रेवेन्यू बोर्ड के चेयरमैन

लखनऊ,चर्चित ब्यूरो। आज का दिन प्रदेश के लिए तबादलों भरा रहा। जहां प्रदेश को नया डीजीपी मिला वहीं एसीएस नियुक्ति मुकुल सिंघल को राजस्व परिषद का चेयरमैन बना दिया गया,आइएएस देवेश चतुर्वेदी नियुक्ति विभाग एसीएस, सुरेश चंद्रा को एसीएस नियोजन का अतिरिक्त प्रभार,मनोज कुमार को के साथ एसीएस राजस्व का अतिरिक्त प्रभार,दीपक कुमार को प्रमुख सचिव बेसिक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

भारत समेत 21 देशों के लोगों के दक्षिण कोरिया में प्रवेश पर क्वारंटीन होंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, फि लीपींस और 17 अन्य देशों से आने वाले यात्रियों को दक्षिण कोरिया आगमन पर 14 दिनों के क्वारंटीन में रखा जाएगा भले ही उन्हें टीका लगाया गया हो। आपदा प्रबंधन और सुरक्षा के लिए कोरिया गणराज्य के केंद्रीय मुख्यालय ने बुधवार को इस आशय की जानकारी दी गयी। डेल्टा कोरोनवायरस वायरस के वैश्विक प्रसार पर बढ़ती चिंताओं के बीच मंगलवार को यह निर्णय लिया गया। इससे पहले, दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने कहा कि कुछ टीकों के साथ टीकाकरण कराने वाले यात्री जुलाई से अनिवार्य सेल्फ आइसोलेशन के बिना देश का दौरा कर सकेंगे।

यूपी गेट पर बीजेपी कार्यकर्ताओं-किसानों के बीच जमकर मारपीट, गाड़ियों में भी तोड़फोड़

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि कानून के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के प्रदर्शन को सात महीने हो चुके हैं। इसी बीच यूपी गेट गाजीपुर बॉर्डर पर सुबह किसानों और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। इसमें गाड़ियों में तोड़ फोड़ और कुछ लोगों के चोट लगने का दावा किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सुबह 10 बजे करीब बीजेपी के कुछ कार्यकर्ता बीजेपी नेता अमित वाल्मीकि के स्वागत में आंदोलन स्थल के पास मौजूद थे, ढोल नगाड़े बजाकर उनका स्वागत किया जा रहा था। इसी दौरान किसानों ने भी इस बात पर आपत्ति जताई और उनको काले झंडे दिखाना शुरू कर दिए। देखते ही देखते दोनों गुटों की बीच मारपीट शुरू हो गई। बीजेपी एक कार्यकर्ता ने बताया, हम अपने नेता का स्वागत कर रहे थे और टिकैत अपने साथियों के साथ आया, उनके हाथों में लोहे के डंडे वगैरह थे। उन्होंने गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने करीब 70 से 80 गाड़ियों में तोड़फोड़ की है।बीजेपी रनिता सिंह महानगर ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

कुछ लोगों के चोट लगने का दावा किया जा रहा है

मुकुल गोयल बने उत्तर प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को अपना नया मुखिया मिल गया है। एचसी अवस्थी के रिटायर होने के बाद आइपीएस मुकुल गोयल को नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बनाया गया है। बुधवार शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन नामों में से मुकुल गोयल को चुन लिया है। आइपीएस मुकुल गोयल वर्तमान में बीएसएफ के एडीशनल डीजी आपरेशन्स के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी सेवानिवृत्त हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने के बाद उन्होंने एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार को पदभार सौंपा। 1987 बैच के आइपीएस अधिकारी मुकुल गोयल मूल रूप से उत्तर प्रदेश के शामली जिले के रहने वाले हैं। बीएसएफ के एडीजी मुकुल गोयल आजमगढ़ के एसपी और वाराणसी, गोरखपुर, सहारनपुर, मेरठ जिलों के एसएसपी रह चुके हैं। वह कानपुर, आगरा, बरेली रेंज के डीआइजी और बरेली जोन के आइजी भी रह चुके हैं। इसके अलावा मुकुल गोयल केंद्र में आइटीबीपी, बीएसएफ, एनडीआरएफ में भी काम कर चुके हैं। ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

1987 बैच के आइपीएस अधिकारी मुकुल गोयल मूल रूप से उत्तर प्रदेश के शामली जिले के रहने वाले हैं।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के लिए लंबी कतारें सिर्फ कोविड प्रतिबंधों के कारण नहीं हैं। उन्होंने हैशटैग टैक्स एक्सटोर्शन के साथ एक ट्वीट में कहा, ष्सार्वजनिक परिवहन के लिए लंबी-असुविधाजनक कतारें सिर्फ कोविड प्रतिबंधों के कारण नहीं हैं। वास्तविक कारण जानने के लिए अपने शहर में पेट्रोल-डीजल की दरें देखें। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए लंबी-असुविधाजनक लाइनों की वजह सिर्फ कोविड प्रतिबंध नहीं हैं।उनकी यह टिप्पणी 29 जून को पेट्रोल की कीमतों में 31 से 35 पैसे जबकि डीजल में 26 से 30 पैसे की बढ़ोतरी के एक दिन बाद आई है, जिससे देश भर में ईंधन ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

सिक्किम में सेना के जवानों को ले जा रहा ट्रक खाई में गिरा, तीन की मौत, तीन गंभीर रूप से जख्मी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

गंगटोक। पूर्वी सिक्किम में सेना के जवानों को ले जा रहा एक ट्रक भीषण हादसे का शिकार हो गया। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को यह ट्रक खाई में गिर गया जिससे तीन जवानों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना न्यू जवाहलाल नेहरू रोड पर हुई। एक अधिकारी ने बताया कि यह मार्ग गंगटोक को सोमगो झील और भारत-चीन सीमा के निकट नाथुला से जोड़ता है। अधिकारी के मुताबिक ट्रक में कुमाऊं रेजिमेंट के छह जवान सवार थे जो गंगटोक की तरफ जा रहे थे। यह हादसा चालक के वाहन से नियंत्रण खोने के चलते हुआ। वाहन 600 फुट गहरी खाई में जा गिरा। चालक एवं दो अन्य जवानों की मौत मौके पर ही हो गई। सेना, बीआरओ, पुलिस और स्थानीय लोगों ने इस दुर्गम क्षेत्र में खराब मौसम के बीच बचाव अभियान चलाया। तीन घायल जवानों को गंगटोक के सेना अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में घायल जवानों को गंगटोक के सेना अस्पताल से बंगाल के सिलीगुड़ी में इलाज के लिए भेजा गया। इस बीच देश में सबसे लंबे वक्त तक कोरोना से मुक्त रहा सिक्किम अब उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां संक्रमण ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

जम्मू में सुबह-सुबह देखे गए दो ड्रोन, अलर्ट पर सेना

जम्मू, एजेंसी। सेना के जवानों ने लगातार तीसरे दिन बुधवार को जम्मू मिलिट्री स्टेशन और वायु सेना सिग्नल पर ड्रोन को उड़ते हुए देखा।सुरक्षा एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि करीब साढ़े चार बजे सेना के जवानों ने कालूचक में गोस्वामी एन्क्लेव के पास मिलिट्री स्टेशन के ऊपर उड़ते हुए एक ड्रोन देखा। उन्होंने बताया कि इस घटना के करीब एक घंटे बाद कुंजवानी क्षेत्र में 800 से 1000 मीटर की ऊंचाई पर वायु सेना के सिग्नल पर एक और ड्रोन को मँडराते हुए देखा गया। सूत्रों ने कहा, ÷दोनों स्थानों की पहले ही घेराबंदी कर दी गई है और हाई अलर्ट जारी किया गया है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

यूपी : 24 घंटे में 165 नए मरीज मिले, 3 की मौत

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में लगातार कोशिशों से कोरोना महामारी की दूसरी लहर की स्थिति नियंत्रण में है। संक्रमण दर न्यूनतम स्थिति में है। वर्तमान में 2,796 कोरोना मरीज उपचाराधीन हैं। प्रदेश में कोरोना से स्वस्थ हुए लोगों की संख्या 16 लाख 80 हजार 720 हो चुकी है। प्रदेश की कोविड रिकवरी दर 98.5 फीसदी हो गई है, जबकि बीते 24 घंटे में पॉजिटिविटी दर 0.06 प्रतिशत फीसदी पाई गई। प्रदेश में अब तक 05 करोड़ 78 लाख 44 हजार 27 टेस्ट हो चुके हैं। प्रदेश में बीते 24 घंटे में 2 लाख 57 हजार 818 कोविड टेस्ट किए गए। इसी अवधि में संक्रमण के 165 नए मामले आये हैं, जबकि 292 मरीज उपचारित होकर स्वस्थ हुए हैं। 1,810 लोग होम आइसोलेशन में हैं। देश के अनेक राज्यों में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट डेल्टा+ से संक्रमित मरीज पाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार का वैरिएंट पहले की अपेक्षा कहीं अधिक खतरनाक है। हमें विशेष सतर्कता बरतनी होगी। विशेषज्ञों के परामर्श के अनुरूप बिना देर किए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। कोरोना महामारी के दृष्टिगत प्रदेश की स्थिति हर दिन के साथ बेहतर होती जा रही है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

लखनऊ में 13 नये मरीज मिले

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 45,951 नये मामले आए सामने, स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 17 दिनों में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के करीब पांच लाख सक्रिय मामले घटे और पिछले 24 घंटे में 60,729 मरीज स्वस्थ हुए है। इस बीच मंगलवार को 36 लाख 51 हजार 983 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 33 करोड़ 28 लाख 54 हजार 527 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

कोरोना में जान गंवाने वालों के परिजनों को मुआवजा दे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) को राहत के न्यूनतम मानक प्रदान करने के लिए वैधानिक रूप से बाध्य किया गया है, जिसमें उन लोगों के परिवार के लिए अनुग्रह राशि शामिल होनी चाहिए, जिन्होंने कोविड के कारण अपनी जान गंवाई है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अनुग्रह राशि प्रदान नहीं करके, एनडीएमए अपने वैधानिक कर्तव्य का निर्वहन करने में विफ ल रहा है। न्यायमूर्ति एमआर शाह की पीठ ने एनडीएमए को राहत के न्यूनतम मानकों के अनुसार कोविड के कारण मरने वाले व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के लिए मुआवजे के लिए दिशा-निर्देश बनाने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जोर दिया कि दिशानिर्देशों को छह महीने के भीतर लागू ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

एलोपैथी पर अपने बयान का मूल रिकॉर्ड पेश करें रामदेवः सुप्रीमकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीमकोर्ट ने बुधवार को बाबा रामदेव से कहा कि वह कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल पर अपने बयान का मूल रिकॉर्ड पेश करें। चीफजस्टिस एनवी रमण, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस ऋषिकेश रॉय की पीठ ने योग गुरु की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से पूछा, 'असल में उन्होंने क्या कहा था? आपने सारी बातें पेश नहीं की है।श्श् रोहतगी ने पीठ को बताया कि वह प्रतिलिपि के साथ मूल वीडियो पेश करेंगे। पीठ ने कहा, 'ठीक है। इसी के साथ उसने को 5 जुलाई के लिये स्थगित कर दिया। न्यायालय बाबा रामदेव की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवा के इस्तेमाल के खिलाफ उनकी टिप्पणियों पर बिहार तथा छत्तीसगढ़ में भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज करायी कई प्राथमिकियों के संबंध में कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

हर वर्ग के है साथ, भाजपा सरकार कर रही हैं विकास-स्वतंत्रदेव सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

आगरा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह का कहना था कि भाजपा हर वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। केंद्र और प्रदेश की सरकार विकास के नए कीर्तिमान बना रही है। पंचायत चुनाव में पार्टी को जनता का विशेष स्नेह मिला है और आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा। प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह सर्किट हाउस में आगरा मंडल के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ सर्किट हाउस में चिंतन कर रहे हैं। मैनपुरी के संगठन पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की शुरुआत हुई, जिसके बाद फीरोजाबाद का नंबर आया। इसके बाद मथुरा और आगरा के पदाधिकारियों के साथ चिंतन है। सूत्रों के अनुसार प्रदेशाध्यक्ष कोरोना काल में ■ शेष पृष्ठ 7 पर।

संक्षिप्त समाचार

रायबरेली में धारदार हथियार से युवक की हत्या, झाड़ियों में मिला शव

रायबरेली,चसं । रायबरेली में मंगलवार की रात धारदार हथियार से हमला कर एक युवक की हत्या कर दी गई। हत्यारों ने वारदात को अंजाम देने के बाद शव झाड़ियों में फेंक दिया था। बुधवार की सुबह शव मिला तो सनसनी फैल गई। तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। उमरपुर गेरखुआ निवासी दिनेश बेड़िया मंगलवार की शाम घर से गांव के ही दिलीप और हरीलाल के साथ निकले थे। इसके बाद वह घर नहीं लौटे। इधर, पत्नी माधुरी उनका खाने के लिए इंतजार कर रही थीं। देर रात लगभग नौ बजे गांव का राजेश उनकी साइकिल लेकर पहुंचे। माधुरी ने पति के बारे में पूछा। इस पर बताया कि वे दिलीप और हरीलाल के साथ मैनूपुर में बैठकर शराब पी रहे हैं। फिर वह साइकिल खड़ी करके चला गया। रात में दिनेश घर नहीं पहुंचे तो माधुरी उन्हें खोजने निकली। पति को ढूंढते हुए खरथेलुआ के निकट मैनूपुर रोड पर पहुंची। यहां सड़क के किनारे झाड़ियों में पति का खून से लथपथ शव पड़ा देखा। उसकी चीख और रोने की आवाज सुनकर ग्रामीण एकत्र हो गए। सीओ महिपाल पाठक और थानाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी फोर्स के साथ पहुंचे और छानबीन की। सीने, पेट, पीठ और गले पर किए वारः हमलावरों ने दिनेश के शरीर पर ताबड़तोड़ कई वार किए थे। उसने सीने, पेट, पीठ के साथ गले में भी धारदार हथियार से वार किया गया। वारदात के पीछे कारण क्या है, यह अब तक स्पष्ट नहीं हुआ है। पत्नी ने भी जो एफआइआर लिखाई उसमें इसका कोई जिक्र नहीं किया। फिर भी तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। आशनाई का चक्कर भी कहा जा रहा है। हालांकि, पुलिस घटना की जांच कर रही है। कुछ लोगों को गिरफ्त में लेकर पूछताछ की भी जा रही।

ट्रैक्टर ट्राली से गिरकर महिला की दर्दनाक मौत

शिवगढ़,रायबरेली,चसं। खेत में धान की रोपाई करने के बाद ट्रैक्टर ट्राली से बैठकर घर वापस लौट रही महिला ट्राली की खिड़की खुलने से नीचे गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में महिला की मौत हो गई। महिला की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गौरतलब हो कि बुधवार को काइली खेड़ा मजरे गूढ़ा के रहने वाले बृजमोहन रावत के खेत में धान की रोपाई होनी थी। जिसके लिए जोरावर खेड़ा मजरे गूढ़ा से महिलाओं को ट्रैक्टर ट्राली पर बैठाकर खेत ले गए थे और रोपाई के पश्चात ट्रैक्टर ट्राली में बैठाकर वापस जोरावर खेड़ा छोड़ने जा रहे थे। बताते हैं कि ट्रैक्टर महिलाओं को ट्राली पर बैठाकर खेत से करीब 200 मीटर ही आगे बढ़ा होगा तभी ट्रैक्टर ट्राली की खिड़की खुल गई और ट्राली पर बैठी 35 वर्षीय रूपरानी पत्नी राममिलन ट्राली से गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए रानीखेड़ा ले जा रहे थे तभी रास्ते में रुपरानी की मौत हो गई। महिला 3 दिन पहले अपनी ससुराल बलेथा मजरे देहली से जोरावर खेड़ा मायके आई थी कि मायके में रहकर धान की रोपाई करके कुछ पैसा इकट्ठा कर लेंगे जिससे परिवार की जीविका चल जायेगी। लेकिन महिला को क्या मालूम था कि जिस धान की रोपाई के लिए वह अपने मायके जा रही है वहां उसकी एक दिन मौत हो जाएगी। इस हृदय विदारक घटना से मायके और ससुराल पक्ष का रो-रोकर बुरा हाल है। इस बारे में जब शिवगढ़ थानाध्यक्ष रवींद्र सोनकर से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि हमारे यहां इस तरह की कोई जानकारी नहीं है न तो कोई तहरीर मिली है।

असिस्टेंट प्रोफेसर बने गौरव

उन्नाव,चसं। बीघापुर ब्लॉक के गांव सगवर निवासी गौरव मिश्रा का चयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ है। अभी तक वह प्राथमिक स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर तैनात थे। उनके चयन से परिवार और क्षेत्र के लोगों में खुशी है। गांव सगवर निवासी हरप्रकाश मिश्रा के पुत्र गौरव मिश्रा ने 30 अक्टूबर 2019 को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज की परीक्षा थी दी। पास होने के बाद साक्षात्कार 8 दिसंबर 2020 को हुआ था। 16 दिसंबर 2020 को आए परिणाम में गौरव ने प्रदेश स्तर पर 30 वीं रैंक हासिल की थी। इसके बाद कोरोना कर्फ्यू व पुलिस की सत्यापन रिपोर्ट और मेडिकल रिपोर्ट में पांच महीने बीत गए। प्रक्रिया पूरी कराने के बाद 26 जून को गौरव ने हमीरपुर जिले के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति ली। गौरव ने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक स्कूल से पूरी की। ऊंचगांव स्थित एसवीएम स्कूल से हाईस्कूल व सगवर के पं. देवकृष्ण इंटर कॉलेज से इंटर किया। स्नातक की पढ़ाई कानपुर के पीपीएन कॉलेज से पूरी करने के बाद बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में परास्नातक किया। नेट की परीक्षा नौ बार व जेआरएफ (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) की परीक्षा चार बार उत्तीर्ण की। 17 अक्टूबर 2020 को जिले के असोहा ब्लॉक के गांव बेहटा सुम्हारी कंपोजिट स्कूल में वह सहायक अध्यापक बन गए। अपनी सफलता का श्रेय वह पीपीएन डिग्री कॉलेज के तत्कालीन एचओडी डॉ. सरोजबाला मिश्रा, प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार गुप्ता के साथ पिता व मां मंजू मिश्रा को देते हैं। उनका कहना है कि स्मृतिशेष दादा स्व. हरिनंद मिश्र व दादी स्व. लीला मिश्रा ने भी उन्हें प्रोत्साहित किया था।

सामुदायिक शौचालयों में अवैध कब्जे

उन्नाव,चसं। पुरवा सामुदायिक शौचालय बनने के बाद भी ग्रामीण खुले में शौच जाने को मजबूर हैं। कई सामुदायिक शौचालय में लोगों ने अवैध कब्जे कर लिया है। कई में ताले बंद हैं। जंसार के मजरे छेदनीखेड़ा में बने सामुदायिक शौचालय में अवैध कब्जा हो गया है। अधूरे पड़े शौचालय के एक हिस्से में ग्रामीण ने अवैध कब्जा कर रखा है। ब्लाक की कई ग्राम पंचायतों में अभी भी सामुदायिक शौचालयों के ताले नहीं खोले गए हैं। पुरवा के त्रिपुरारपुर ग्राम पंचायत के गांव रम्माखेड़ा में बने सामुदायिक शौचालय में महिला ने अवैध कब्जा कर लिया है। अप्रैल माह से गांव की महिला ने शौचालय के एक हिस्से मे ताला डालकर सामग्री रखकर कब्जा जमा रखा है। ग्राम प्रधान शिवपाल यादव व ग्राम सचिव दीपक गौतम ने 23 जून को कोतवाली पुलिस में शिकायतीपत्र दिया है। प्रधान का कहना है कि यदि ताला खुल जाए तो शौचालय की वस्तु स्थिति देखकर सही कराया जाएगा। एडीओ पंचायत शिवओम ने बताया कि कब्जा हटवाने के लिए ग्राम विकास अधिकारी को कहा गया है।

नवनिर्वाचित प्रधान का है कहना,मदाखेड़ा गांव के चौमुखी विकास का है सपना

पेयजल, पेंशन, सड़क, शौचालय की समस्या करेंगे दूर

चर्चित राजनीति। अमित चौधरी/जय सिंह

बछरावां रायबरेली। गांवों में हर पंचायत चुनाव बुनियादी सुविधाओं के विकास के वादे के साथ होता है। लेकिन बहुत से गांव ऐसे हैं जहां सड़क, नाली, शौचालय, साफ-सफाई जैसी तमाम समस्याएं बनी हुई है। विकासखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मदाखेड़ा ऐसा ही गांव है। जहां पूर्व प्रधान द्वारा भी विकास के कई काम कराए गए हैं परंतु यहां मूलभूत सुविधाओं के साथ विकास की दरकार अभी भी है। विकास के वादे पर ही गांव के लोगों ने पूर्व प्रधान रन बहादुर सिंह रन्नू के समर्थित प्रत्याशी को गांव का प्रधान चुना था है। नवनिर्वाचित प्रधान का कहना है कि वह गांव के विकास के लिए कटिबद्ध है। वह गांव में रोजगार के अवसर सर्जन करने में भी प्रयास करेंगे। गांव में जल निकासी की समस्या है, संपर्क मार्ग खस्ताहाल हैं, शौचालय अधूरे पड़े हुए हैं, वहीं वृद्धावस्था, विकलांग पेंशन के लिए भी लोग भटक रहे हैं। गांव की साफ सफाई व्यवस्था एक बेपटरी है। गांव में बना मिनी सचिवालय जर्जर व खस्ताहाल हो चुका है। नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान सत्यम गुप्ता ने चुनाव में इन समस्याओं से निजात दिलाए जाने का ग्रामीणों से वादा किया था। ग्रामीणों को उम्मीद है कि नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान मदाखेड़ा गांव का चौमुखी विकास करेंगे। नवनिर्वाचित प्रधान का कहना है कि वह गांव में नाली, खड़ंजा, शौचालय के साथ रोजगार सृजन का काम करेंगे।

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान की बात

ग्राम पंचायत मदाखेड़ा के नव निर्वाचित ग्राम प्रधान सत्यम गुप्ता कहते हैं कि गांव के लोगों ने जिस उम्मीद से मुझे प्रधान चुना है उस पर खरा उतरूंगा। बिना भेदभाव के गांव का विकास कराया जाएगा ग्राम पंचायत को समस्याओं से निजात दिलाई जाएगी। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

नवनिर्वाचित प्रधान से ग्रामीणों की उम्मीदें

पूर्व प्रधान रनबहादुर सिंह रन्नू कहते हैं ग्राम पंचायत में विकास के काम हुए हैं लेकिन गांव में सड़क, नाली खड़ंजा के निर्माण की अभी भी जरूरत है। जलभराव की समस्या से भी निजात दिलाया जाना आवश्यक है। नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान गांव के विकास में अपनी महती भूमिका निभाएंगे।गांव के मजीद अहमद कहते हैं ग्राम पंचायत में सभी पुरवों में इंडिया मारका टू हैंड पंप लगे हुए हैं। लेकिन अधिकतर हैंडपंप खराब हैं जिन को ठीक कराया जाए जिससे लोगों को पेयजल के लिए दिक्कत ना हो। बैजनाथ का कहना है ग्राम पंचायत के सभी पात्रों को राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड नहीं बनते हैं उन्हें इन योजनाओं का लाभ दिलाया जाए इसके लिए ग्राम प्रधान को पहल करनी चाहिए। गांव के रामकुमार कहते हैं ग्राम पंचायत में रात में सड़कों पर अंधेरा हो जाता है नवनिर्वाचित प्रधान से उम्मीद है कि वह गांव में पद प्रकाश की व्यवस्था सही कराएंगे इसके अलावा गांव में साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

एक नजर में ग्राम पंचायत मदाखेड़ा

कुल आबादी - 2000
वोटर - 1378
प्राइमरी स्कूल - 2
उच्च प्राइमरी - 1
आंगनबाड़ी सेंटर - 2
आंगनबाड़ी कार्यकर्ती - 2
मुख्य पेशा - खेती - बाड़ी
शिक्षा - 60 प्रतिशत
श्रद्धास्थल - राम जानकी मंदिर

गांव की प्रमुख समस्याएं
* जल निकासी की व्यवस्था नहीं
* सड़कें जर्जर व खराब
* पथ प्रकाश की व्यवस्था नहीं
* गांव में बारात घर नहीं
* बच्चों के लिए खेल का मैदान
* जर्जर विद्युत लाइनें बिजली का संकट

रायबरेली की चार तहसीलों के 60 गांवों से गुजरेगी बुलेट ट्रेन, इन गांवों में होगा भू अधिग्रहण

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रायबरेली। दिल्ली से वाराणसी तक बुलेट ट्रेन के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनना है। यह रेलपथ जनपद की चार तहसीलों के 60 गांवों से होकर निकलेगा। यहां के पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर जनता से परामर्श करने के लिए जल्द ही कार्यदायी संस्था के अफसर आने वाले हैं, जिसके बाद भूमि अधिग्रहण का काम शुरू हो जाएगा। सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय से 865 किमी लंबे तीव्रगति रेलमार्ग को बनाने का काम गुड़गांव, हरियाणा की इजिस इंडिया कंसल्टिंग इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। कार्यदायी संस्था द्वारा नवंबर 2020 से अब तक जिला प्रशासन से पांच बार पत्राचार किया जा चुका है। सात मई 2021 को इन 60 गांवों के ग्रामीणों के साथ बैठक करके पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर वार्ता भी होनी थी, लेकिन कोविड संक्रमण की दूसरी लहर आने के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। अब जब संक्रमण का ग्राफ बहुत नीचे आ गया है तो एक बार फिर से इन गांवों के किसानों से संपर्क साधा जा रहा है। इसी सप्ताह संस्था के प्रतिनिधि प्रशासनिक अफसरों से मुलाकात करके ग्रामीणों के साथ बैठक करके मीटिंग की तिथि निर्धारित करने वाले हैं। जनपद में इसके कितने स्टेशन बनेंगे, ये अभी तय नहीं हुआ है।

इन गांवों में होगा भू अधिग्रहण

महराजगंज- सरौरा, चुरवा, इसिया, नीम टीकर, टोडरपुर, बछरावां, बन्नावां, कंदावा, खैरहनी **सदर-** जोहवाशर्की, दतौली, कनहट, प्यारेपुर, हिडइन, हिलालगंज, गुलूपुर, अजमतउल्लागंज, अरिवार, ढोंढरी, सोनिकमऊ, देरौर, दरीबा, रसूलपुर गुंडा, चंदौली, नकफुलहा, बिनोहरा, फकरुल हसन खेड़ा, मल्हेछर, सैदनपुर, सुलखियापुर, खनुआ, बेलाभेला, उदरहटी, एकौना, चकबलिहार। **ऊंचाहार-** हरदीटीकर, चंदौली, धर्मदासपुर, सराय श्रीबक्स, केवलापुर, बरेठा, मोहनपुर, गोपियापुर, जगतपुर, धोबहा, जिगना, रोझइया, भीखमशाह, रोझइया गोकुलपुर, इटौरा बुजुर्ग, सलारपुर, मिर्जापुर, नडोरामाफी, डडौली, चिटना मरियानी, रघुनाथपुर, लकेदवा, उमरन, भवानीदीन पुर, कमालपुर, लक्ष्मणगंज, बछइयापुर, मरहामऊ, रसूलपुर सलोन- मिरजहनपुर, कमालपुर, डोमापुर, कोदारी। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में चार तहसीलों के 60 गांव आ रहे हैं। इन गांव के ग्रामीणों से वार्ता के बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इजिस संस्था के अधिकारी लगातार संपर्क में हैं।- राम अभिलाष, एडीएम प्रशासन

युवा लेखक नितिन गोस्वामी की किताब हॉफ़ हर्टेड लव है बेहद प्रेरणादायक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रायबरेली। बछरावां की धरती से एक लेखक अंकुरित हुआ था, जिन्होंने आज, लखनऊ, नोएडा सहित कई बड़े शहरों में अपने लेखन और शब्दों के जरिये तमाम लोगों के दिलों में अमिट जगह बना ली है। पेशे से नितिन एक इंजीनियर हैं जिन्होंने इलेक्ट्रॉनिक एण्ड कम्यूनिकेशन से बीटेक एवं डिप्लोमा की पढ़ाई की है! हॉफ़ हर्टेड लव नामक इनकी प्रकाशित किताब क्रिस्टल मेथ जैसे ख़तरनाक ड्रग्स पर आधारित है। उपन्यास के मुख्य पात्र नील को काफ़ी शोध करके लिखा गया है। समाज में फैले जहरीले नशे के ख़िलाफ़ नितिन की यह किताब शानदार है। पाठकों ने अमेजॉन पर समीक्षा की है कि नितिन सर ने मास्टरपीस लिखी है। यह किताब प्रेम, दर्द, दोस्ती, और अलग-अलग तरह के सभी पहलुओं का मिश्रण है जिसे पाठकों का भरपूर सहयोग मिला है। नितिन द्वारा लिखी इनकी अगली किताब सो कॉल्ड समाज है, जो समाज के रुढ़िवादी सोच और कृत्यों पर आधारित है।

संगिनियों और आशाओं की एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़,रायबरेली। बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ में संचारी रोग और दस्तक एवं कोविड-19 जागरूकता अभियान को लेकर आशाओं और संगिनियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण दे रहे यूनीसेफ़ के उस्मान खान ने बताया कि आगामी एक जुलाई से 31 जुलाई तक एक महीने संचारी और दस्तक एवं कोविड-19 जागरुकता अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान आशाएं डोर टू डोर जाकर बुखार वाले मरीजों को चिन्हित करेंगी एवं उन्हे इलाज के लिए शिवगढ़ सीएचसी अथवा नजदीकी पीएचसी आने के लिए प्रेरित करेंगी। इसके साथ ही यनीसेफ के गौरव दीक्षित ने कार्यशाला में संगिनियों और आशाओं को प्रशिक्षण दिया कि कैसे कुपोषित बच्चों को अस्पताल भेजा जाए, कैसे उनकी पहचान की जाए, नवजात शिशुओं को एसएनसीयू में संदर्भित करने हेतु प्रशिक्षित दिया गया। साथ ही गर्ल चाइल्ड एडमिशन को बढ़ावा देने के लिए आशाओं को प्रेरित किया गया। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ.राजेश कुमार गौतम, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक राजाराम, स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी जयराम यादव आदि लोग मौजूद रहे।

ऑनलाइन खरीदारी ने बिगाड़ा खुदरा व्यापार

ग्राहकों का झुकाव कम होने से व्यापारी परेशान

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रायबरेली। आधुनिकता के इस दौर में ऑनलाइन खरीदारी ने बाजार के हाल बिगाड़ दिए हैं। ग्रामीण इलाकों में भी ऑनलाइन खरीदारी का चलन बढ़ता जा रहा है। इससे बाजारों के दुकानदारों की कमर टूट रही है। लाखों रुपए की पूंजी लगाकर भी दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में बैठे रहते हैं। दुकान का किराया व कर्मचारियों का खर्च निकाल पाना मुश्किल हो गया है। बाजार के जानकारों के मुताबिक ऑनलाइन बाजार में दिए जा रहे विभिन्न प्रकार के ऑफर से उपभोक्ता प्रभावित हो रहे हैं। ऑनलाइन मिलने वाले सामान का मूल्य कम है। 40 से 50 फ़ीसदी तक छूट मिलने से ग्राहक ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। कई बार ग्राहकों को ठगी का शिकार भी होना पड़ता है। जिससे उनका मन टूटता है। बावजूद इसके ऑनलाइन मार्केटिंग कम नहीं हो रही है। इसका खामियाजा खुदरा व्यापारियों को उठाना पड़ रहा है।

बोले फुटकर व्यापारी

इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारी जुबेर नगरानी कहते हैं ऑनलाइन बाजार में लगातार आ रहे लुभावने ऑफरों के कारण ग्राहकों का बाजार में खरीददारी करने का रुझान कम हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार भी इससे अछूता नहीं है। टीवी, फ्रिज, कूलर,एसी, घड़ी आदि सामान लोग ऑनलाइन ही मंगा रहे हैं। इससे व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। रेडीमेड कपड़ों के व्यापारी सौरभ मिश्रा कहते हैं ऑनलाइन व्यापार फुटकर व्यापारियों के लिए नासूर हो गया है। व्यापार लगातार प्रभावित हो रहा है और खुदरा व्यापारियों को अपने खर्चे निकालने में परेशानी आ रही है।

युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष व इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारी अंकित शुक्ला कहते हैं ऑनलाइन खरीदारी से बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा है। सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। ऐसा चलता रहा तो खुदरा व्यापारी क्या करेंगे। ऑनलाइन खरीदारी की सीमा तय होनी चाहिए। मोबाइल विक्रेता विराट सोनी कहते हैं ऑनलाइन खरीदारी का सबसे ज्यादा असर मोबाइल मार्केट पर पड़ा है। पहले की तुलना में अब युवा ग्राहक अधिकतर ऑनलाइन ही मोबाइल मंगा रहे हैं। ऐसे में काफी नुकसान हो रहा है।

झोलाछाप डॉक्टरों की हुई भरमार, कौन कर रहा है मदद

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरचंदपुर रायबरेली। क्षेत्र में झोला छाप डॉक्टरों की भरमार है। चौक-चौराहे पर बड़े-बड़े बोर्ड लगा कर ये डॉक्टर भोले-भाले ग्रामीणों को ठगने के प्रयास में लगे हैं। भोली-भाली जनता इनके झांसे में आकर आर्थिक दोहन के साथ-साथ शारीरिक नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। लोगों की माने तो क्षेत्रों में अप्रशिक्षित डाक्टरों झोला छाप द्वारा इलाज कराने की बात कौन कहे बड़े बड़े आपरेशन तक किये जा रहे हैं। साथ ही मोटी रकम लेकर नर्सिग होम संचालक इलाज के नाम पर मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्हें इस बात का डर नहीं होता कि मरीज मरेगा या उसे इंफेक्शन संक्रमण भी हो सकता है.। ऐसे नीम-हकीम के चक्कर में आये दिन कई लोगों की जान जा रही है।. वहीं, झोलाछाप डॉक्टर अपनी-अपनी क्लिनिक के आगे बड़े-बड़े अक्षरों मे एमबीबीएस की डिग्री लिखा बोर्ड लगाने में परहेज नहीं करते हैं। सरकारी अस्पतालों में सरकार ने स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने को लेकर निःशुल्क दवाओं सहित कई जांचे भी निःशुल्क में कराए जाने की व्यवस्था उपलब्ध कराई है। बुद्धिजीवियों द्वारा समय-समय पर जिला प्रशासन से झोला छाप चिकित्सकों के विरूद्ध कार्रवाई किये जाने की मांग की जाती रही है। जांच के नाम पर भी मरीजों से ऐंठा जाता है पैसा झोलाछाप डॉक्टर पहले उल्टा सीधा इलाज करते हैं, इसके बाद जब स्थिति काबू से बाहर हो जाती है तो किसी बड़े डॉक्टर को दिखाने के नाम पर अपनी पीछा छुड़ा लेते हैं। हालांकि, तब तक स्थिति यह हो जाती है कि मरीज को बचाया जाना संभव ही नहीं रहता है। ये डॉक्टर बुखार की जांच के लिए कोई भी टेस्ट तक कराने की सलाह नहीं देते हैं। उल्टी, दस्त आदि सामान्य बीमारियों के अलावा मियादी बुखार, डेंगू, मलेरिया, हैजा, पीलिया, मस्तिष्क ज्वर, चिकन पॉक्स व एलर्जी तक का इलाज करने से नहीं चूकते। बिना प्रशिक्षण के लोगों को इंजेक्शन लगाने के साथ ग्लूकोज व अन्य दवाओं को चढ़ा देते हैं। दवा की डोज की सही जानकारी न होने के बावजूद सामान्य बीमारी में लोगों को दवा की हैवी डोज दे देते हैं। इसके चलते कई बार लोगों को एलर्जी व शारीरिक अपंगता तक हो जाती हैं।

यहां है झोलाछाप चिकित्सकों की भरमार : हरचंदपुर कस्बा, गंगागंज, जोहवाशर्की अचलेश्वर, पश्चिम गांव, हरचंदपुर कस्बे सहित अन्य कई जगहों पर झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। ऐसे डॉक्टरों के पास किसी भी प्रकार की जांच की कोई सुविधा नहीं होती है।

बछरावां में विद्युत संकट से उपभोक्ताओं में मची त्राहि-त्राहि

जर्जर उपकरणों से बड़ी समस्या, बछरावां उपकेंद्र को लेकर ज्यादा लापरवाही, भीषण गर्मी में बिजली ना मिलने से लोग परेशान

चर्चित राजनीति। संवाददाता

बछरावां रायबरेली। भीषण गर्मी के दौरान इस समय विद्युत संकट से बछरावां टाउन के उपभोक्ताओं में त्राहि-त्राहि मची हुई है। जरूरी उपकरणों के अभाव में बछरावां टाउन और बछरावां ग्रामीण फीडर अक्सर जवाब दे जा रहे हैं। नतीजा यह है कि बछरावां टाउन फीडर से सोमवार के दिन व देर रात तक बिना बिजली के उपभोक्ता बेहाल रहे वही बछरावां कस्बा सहित आसपास के क्षेत्र की लगभग 50000 की आबादी बिजली न मिलने से परेशान रही। इस बीच बड़ी संख्या में लोगों ने बीती रात बछरावां विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचकर सरकार और विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी जाहिर की। गर्मी के दौर में बछरावां विद्युत उप केंद्र पर विद्युत आपूर्ति का जबरदस्त संकट उत्पन्न हो गया है। समूचे बछरावां कस्बे को बछरावां विद्युत उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति होती है जो कि जर्जर तारों और ट्रांसफार्मर के चलते अक्सर बाधित रहती है। उप केंद्र के जर्जर उपकरण और भी मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। इन्हीं जर्जर उपकरणों के चलते बछरावां विद्युत उप केंद्र पर विगत 15 दिनों से विद्युत आपूर्ति बदहाल है। 24 घंटे विद्युत आपूर्ति का दावा करने वाला विद्युत विभाग मात्र 8 से 10 घंटे ही विद्युत आपूर्ति कर पा रहा है।

रात भर करवटें बदलते रहे उपभोक्ता : उमस भरी गर्मी के बीच बछरावां टाउन के विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी हो गई है। ग्रामीण क्षेत्र की बात तो दूर टाउन के उपभोक्ताओं को ही सुचार रूप से बिजली नहीं मिल पा रही है। सोमवार की रात बछरावां विद्युत उपकेंद्र में आई गड़बड़ी के चलते बिजली ठप हो गई। जिससे कस्बे के उत्तर बाजार, दक्षिण बाजार, कूटी मोहल्ला, शिक्षक नगर, पटेल नगर, रायबरेली रोड, महाराजगंज रोड, लखनऊ रोड, शिवगढ़ रोड, लालगंज रोड,संजय नगर सहित पूरे कस्बे के उपभोक्ताओं को पूरी रात भीषण उमस भरी गर्मी में परेशान होना पड़ा। बिजली गुल होने से क्षेत्र के लोग पूरी रात करवट बदलते रहे। बताया जाता है कि सोमवार को पूरा दिन बछरावां विद्युत उपकेंद्र के ट्रांसफार्मर को ही सही किया जाता रहा जिससे दिन में भी लोग गर्मी से तड़पते रहे तो वही शाम को आधा घंटे के लिए लाइट आई फिर उप केंद्र में गड़बड़ी हो गई 10 मिनट के लिए लाइट सही की गई तो पता चला कि जर्जर तार खराब हो गए हैं। रात भर बछरावां के विद्युत कर्मी फाल्ट बनाते हैं और बिगड़ते रहे। जब देर रात तक बिजली नहीं आई तो उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ने लगी उन्होंने संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों को फोन करना शुरू कर दिया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल बछरावां के अध्यक्ष सुनील सागर, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री विजय पाल यादव, डॉक्टर चंद्र मणि त्रिपाठी, पंकज भदौरिया, विजय सिंह, आशुतोष मिश्रा, एडवोकेट विजय चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने विद्युत विभाग और सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की।

उधर बिजली गायब इधर फोन बंद

एक तरफ शासन जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ा रहा है। तो दूसरी तरफ यहां बिजली जाते ही फोन बंद कर लेने या फिर ना उठाने की आदत ज्यादातर कर्मचारियों और कुछ अधिकारियों ने बना ली है। सोमवार को भी यही हुआ अधिशासी अभियंता से लेकर एसडीओ, जेई, लाइनमैन और उप केंद्र के एसएचओ का रवैया गैर जिम्मेदाराना भरा रहा। इसे लेकर नागरिकों ने कड़ी नाराजगी भी जताई है।

क्या बोले जिम्मेदार

विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि बछरावां विद्युत उपकेंद्र पर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू करने के प्रयास किए जा रहे हैं गड़बड़ी की जानकारी हुई है शीघ्र ही काम में तेजी लाकर सही किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी की विसंगतियों के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन

लखनऊ,चसं। जीएसटी की विसंगतियों के विरोध में समाजवादी व्यापार सभा के पदाधिकारियों ने बुधवार को कैसरबाग स्थित पार्टी कार्यालय से काला फीता बांधकर मौन जुलूस निकाला। जुलूस जिला कलेक्ट्रेट जा रहा था लेकिन पुलिसकर्मियों ने स्वास्थ्य भवन के सामने रोक लिया। इससे नाराज व्यापारियों ने जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन मनोचा ने कहा कि इस जीएसटी से उत्तर प्रदेश ही नहीं अपितु पूरे देश के करोड़ों व्यापारियों के व्यापार पर बहुत बुरा असर पड़ा है। व्यापारी आज तक जीएसटी को समझ ही नहीं पा रहे हैं जिसके कारण लाखों व्यापारी व्यापार बन्द करने को मजबूर हैं। जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक इसमें इतने संशोधन किये जा चुके हैं कि सरकार को भी इसे गिनाने में कई दिन लग जाएं। जटिल विसंगतिपूर्ण जीएसटी की वजह से व्यापारी तनाव में हैं। हम सभी व्यापारियों की मांग है कि जीएसटी की विसंगतियों को दूर किया जाए जिससे व्यापारियों को अपना व्यापार करने में किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

मकान का ताला तोड़ कर चोर जेवर बटोर ले गए

लखनऊ,चसं। पारा की न्यू फ्रैण्डस कॉलोनी में मकान का ताला तोड़ कर चोर जेवर बटोर ले गए। पीड़ित के भांजे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। सुंदर बिहार कॉलोनी निवासी रवींद्र कुमार पाण्डेय के मामा अनिल पाण्डेय का न्यू फ्रैण्डस कॉलोनी में मकान है। एक हफ्ते पूर्व अनिल ताला बंद कर शहर से बाहर गए हुए थे। मकान की देखरेख का जिम्मा रवींद्र पर था। 28 जून को रवींद्र मामा के घर पहुंचे। उनके मुताबिक ताले टूटे हुए थे और कमरे में रखी अलमारी से जेवर गायब थे। इंस्पेक्टर राजेश कुमार के मुताबिक एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

युवती ने मालिक पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया

लखनऊ,चसं। गुड़म्बा कोतवाली क्षेत्र स्थित कल्याणपुर में एक घर में काम करने वाली युवती ने अपने मालिक पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कल्याणपुर निवासी युवती के मुताबिक वह शिवपुरी निवासी कृष्णकांत पाण्डेय (56) के घर में बर्तन साफकरती है। पीड़िता के मुताबिक करीब दस दिन पहले वह काम पर गई थी। तभी कृष्णकांत पाण्डेय उसके साथ छेड़खानी करने लगे। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने उसके धमकाना शुरू कर दिया। युवती किसी तरह से आरोपी के घर से निकलने में सफल हुई। उसने काम पर जाना बंद कर दिया था और मानसिक तनाव में थी। युवती को गुमसुम देख परिवार वालों ने उससे पूछताछ करना शुरू किया। जिस पर युवती कृष्णकांत की हरकत के बारे में बताया। बेटी के साथ हुई घटना की सच्चाई पता चलने पर परिवार वालों ने मुकदमा दर्ज कराने के लिए कहा। पीड़िता ने गुड़ंबा थाने पहुंच कर एफआईआर दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर फरीद अहमद के मुताबिक आरोपों की जांच की जा रही है।

दुकानदार से रंगदारी मांगने पर मुकदमा

लखनऊ,चसं। पान विक्रेता से दुकान खोलने के एवज में दो हजार रुपये की रंगदारी मांग गई। आरोप पत्रकार होने का दावा करने वाले दो लोगों पर लगा है। पीड़ित की तहरीर पर इन्दिरानगर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। जरहरा निवासी राम तीरथ के मुताबिक वह बजरंग चौराहे के पास पान की गुमटी लगाते हैं। जहां जरहरा निवासी राज जायसवाल अक्सर आता था। वह पान मसाला और पानी की बोतलें उधार ले जाता था। तकादा करने पर पत्रकार होने का दावा कर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है। राम तीरथ के अनुसार 27 जून की रात भी वह दुकान पर मौजूद थे। तभी राज जायसवाल औरा राजा आ धमके। जिन्होंने पान विक्रेता पर दो हजार रुपये देने का दबाव बनाया। मना करने पर दुकान बंद कराने की धमकी देने लगे। हल्ला होने पर स्थानीय लोग बीच बचाव के लिए आ गए। जिस पर राज जायसवाल और राजा वहां से चले गए। इंस्पेक्टर अजय त्रिपाठी के अनुसार एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

बहराइच में तैनात सिपाही की बाइक मड़ियांव से चोरी

लखनऊ,चसं। बहराइच में तैनात सिपाही की बाइक मड़ियांव से चोरी हो गई। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। माल गहदो निवासी मो. रिहान सिपाही हैं। वह छुट्टी पर आए हुए थे। दोस्तों संग खाना खाने के लिए वह एक रेस्त्रां पर गए थे। रिहान ने रेस्त्रां के पास बाइक खड़ी की थी। कुछ देर बाद वापस लौटने पर उन्हें मोटरसाइकिल कहीं नजर नहीं आई। काफी खोजबीन करने के बाद रिहान ने मड़ियांव कोतवाली पहुंच कर शिकायत दर्ज कराई। इंस्पेक्टर मनोज सिंह के मुताबिक सीसी फुटेज की मदद से बाइक चुराने वालों को पुलिस तलाश रही है।

युवती ने सहकर्मियों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

लखनऊ,चसं। 108 एंबुलेंस सेवा में तैनात युवती ने टीम लीडर और एचआर मैनेजर पर प्रताड़ित करने आरोप लगाते हुए आशियाना थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। रकाबगंज निवासी युवती के मुताबिक वह डेढ़ साल से काम कर रही है। पीड़िता के अनुसार टीम लीडर विकास तिवारी अक्सर अभद्र व्यवहार करता है। छोटी-छोटी बात पर सबके सामने आरोपी ने हाथ उठाने का प्रयास भी किया था। जिससे युवती सहम गई थी। आरोप है कि नौकरी से निकलवाने की धमकी देते हुए विकास ने युवती पर बेजा काम करने का दबाव बनाया था। पीड़िता ने विकास की शिकायत एचआर मैनेजर से की थी। लेकिन उन्होंने भी कोई ध्यान नहीं दिया। युवती ने एसीपी कैंट डॉ. अर्चना सिंह से मुलाकात कर उन्हें घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद आशियाना थाने में विकास और एचआर मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के विदाई समारोह कराये जाने की मांग

लखनऊ,चसं। नगर निगम एवं जलकल कर्मचारी संघ लखनऊ अध्यक्ष एवं संयोजक, लखनऊ नगर निगम कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति शशि कुमार मिश्रा नगर निगम के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किए जाने की मांग की है। महापौर और नगर आयुक्त को सम्बाधित पत्र में शशि कुमार मिश्रा ने लिखा कि कोविंद 19 की महामारी के कारण गत कई माह से नगर निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई एवं सम्मान समारोह स्थगित चल रहा था, परंतु अब कोविंद 19 की गाइडलाइंस के अन्तर्गत सभी कार्यालय100 प्रतिशत खोल दिए गए हैं। इन परिस्थितियों में माह जून 2021 में होने वाले सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित करने हेतु कोविड 19 के दिशा निर्देशों के अनुसार सम्बंधित समस्त विभागाध्यक्षों को आदेशित करें।

चर्चित राजनीति

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय डी-206,सी, विभूतिखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ

क्लासीफाइड्स

अपने साधारण व्यवसायिक वर्गीकरण विज्ञापन को क्लासीफाइड डिस्पले में आकर्षक डिजाइन के साथ प्रकाशित करवाएं

न्यूनतम साइज 4 सेमी X 3 सेमी

अधिकतम साइज 25 सेमी X 3 सेमी

दर- रु . 70रु/- प्रति स्क्वॉयर सेमी

क्लासीफाइडस विज्ञापन पर विशेष ऑफर
स्कीम 2+1, 3+2, 5+5, 10+12, 12+20
300 रू. 25 शब्दों तक, ऑफर 8 रु. प्रति शब्द अतिरिक्त 50 शब्द अधिकतम, वर्गीकरण डिस्पले 70 रु. प्रति स्क्वॉयर सेमी

शर्ते-विज्ञापन सर्वेक्षण नगद भुगतान पर एक साथ बुक कराना अनिवार्य है। विज्ञापन संबंधित कॉलम में ही प्रकाशित होंगे।

क्लासीफाइडस बुकिंग से संबंधित जानकारी हेतु सम्पर्क करें:-
फोन नं0-0522-4075237

सआदतगंज में सजग पत्रकार को सजगता पड़ी महंगी दबगों ने किया हमला 11 हजार छीने

लोहे की राड और चाकू से किया हमला पुलिस ने एक हमलावर को पकड़ा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पुराने लखनऊ के सआदतगंज इलाके मे रहने वाले एक वरिष्ठ पत्रकार को अपराध के प्रति सजग रहना भारी पड़ गया। मोहल्ले की मस्जिद के पास कई दिनो से लावारिस हालत में खड़ी गाड़ियों के मालिकों की पूछताछ करने का खमियाजा वरिष्ठ पत्रकार को भुगतना पड़ गया। मोहल्ले के रहने वाले दबंगो ने वरिष्ठ पत्रकार पर लोहे की राड और चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया यही नही दबंगो के द्वारा वरिठ पत्रकार की जेब से 11 हजार रूपए छीन लिए गए। दबगों के हमले मे पत्रकार के शरीर पर कई जगह पर चोटे आई है। पत्रकार पर हुए हमले की सूचना के बाद सआदतगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पत्रकार पर हमला करने वाले एक दबंग को पकड़ लिया। पीड़ित पत्रकार के द्वारा तीन लोगो को नामजद करते हुए लूट सहित अन्य कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय न्यूज चौनल डीडी न्यूज में संवाददाता के पद पर कार्यरत परवेज जैदी अपने परिवार के साथ सआदतगंज थाना क्षेत्र के टापे वाली गली मोहल्ले मे रहते है। परवेज जैदी मंगलवार की शाम करीब 7 बजे अपने घर लौटे थे तभी उन्हे किसी मोहल्ले वाले के द्वारा बताया गया कि उनके घर के करीब की मस्जिद के पास कई दिनों से 1 एक्टीवा और दो मोटर साईकिले लावारिस हालत में खड़ी है जिस पर परवेज जैदी के द्वारा कहा गया कि पहले पता लगा लो कि गाड़िया किसकी है नही पता चलेगा तो पुलिस को सूचना दे दूगां । वरिष्ठ पत्रकार परवेज जैदी ने बताया कि वो मोहल्ले के लोगो से बात कर रहे थे तभी उनके पास मोहल्ले के रहने वाले कासिम आए उन्होने बताया कि गाड़ियां उनके रिश्तेदार की है। परवेज जैदी कासिम से बात ही कर रहे थे तभी मोहल्ले का ही रहने वाला भूषण नाम का दबंग आया और कासिम को भड़काते हुए बोला परवेज तुम्हारी गाड़िया बन्द कराने जा रहे थे । भूषण के झूठे आरोप का जब परवेज जैदी ने विरोध किया तो भूषण ने गाली गलौज शुरू कर दी तभी भूषण के सहयोगी आ गए और परवेज जैदी पर लोहे की राड और चाकू से हमला कर दिया। सरल स्वभाव के पत्रकार परवेज जैदी पर मोहल्ले के दबंगो द्वारा हमला होते देख जब मोहल्ले की भीड़ जुटने लगी तो दबंग परवेज जैदी के जेब मे रखखे 11 हजार रूपए छीन कर भाग गए। दबंगो के हमले मे परवेज जैदी के शरीर पर कई जगह पर गम्भीर चोटे आई । सूचना पाकर सआदतगंज पलिस मौके पर पहुंची। दबंगो के हमले मे घायल हुए वरिष्ठ पत्रकार परवेज जैदी ने सआदतगंज थाने पर इकबाल के पुत्र भूषण, अफजल अब्बस उर्फ चीकू और नेहाल अब्बास उर्फ मुन्ना को नामजद करते हुए लूट सहित अन्य धाराओ मे मुकदमा दर्ज करा दिया है। दबगों के हमले का शिकार हुए परवेज जैदी के द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर मे ये भी आरोप लगाया गया है उन पर हमला करने वाले लोग अपराधिक प्रवत्ति के है। इंस्पेक्टर सआदतगंज बृजेश कुमार यादव ने बताया कि एक आरोपी भूषण को हिरासत मे लिया गया है और अन्य की तलाश जारी है। वरिष्ठ पत्रकार परवेज जैदी पर देर रात हुए हमले की सूचना पाकर तमाम पत्रकार सआदतगंज थाने पहुंचे। यूनाईटेड पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष कायम रजा राहिल ने पत्रकार परवेज जैदी पर हुए हमले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकारिता के प्रहरी पत्रकारो पर लगातार हमले हो रहे है और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है उन्होने कहा कि सरकार को चाहिए कि वो बिना वक्त गंवाए पत्रकारो की सुरक्षा के लिए सशक्त कानून बनाए क्यूंकि पत्रकार के पास उसकी सुरक्षा के लिए कलम के अलावा कोई दूसरा हथियार नही है और मौजूदा समय मे पत्रकार अपने आपको डरा सहमा और असुरक्षित महसूस कर रहे है । उन्होने कहा कि आए दिन पत्रकारो को दबंग धमका रहे है और पुलिस कर्मियो के द्वारा भी पत्रकारो से अभद्रता किए जाने की खबरे प्रकाश मे आ रही है ये बहोत ही चिन्ता का विषय है। उन्होने कहा कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो पत्रकारो को निष्पक्ष पत्रकारिता करना दूभर हो जाएगा और अगर पत्रकार डर कर घर में बैठ गया तो अराजक तत्वो का मनोबल बढ़ेगा और अराजक तत्वो का मनोबल बढ़ना समाज और देश के लिए हानिकारक साबित होगा। उन्होने कहा कि एसेसिएशन की तरफ से जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजा जाएगा।

पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग करते हुये उप्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन का लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पत्रकारों के हितार्थ लगातार संघर्षरत यूपी की सबसे पुरानी यूनियन उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन (पंजी.) ने आज उप्र की राजधानी मे जबरदस्त प्रदर्शन करते हुये पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग उठाई। यूनियन वर्षो से पत्रकार सुरक्षा बिल लागू करने की लगातार मांग करती चली आ रही है। अपनी पुरानी मांग दोहराते हुये यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी व प्रदेश महासचिव रमेश शंकर पाण्डेय के नेतृत्व मे प्रदेश के पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एडीसीपी चिरंजीवी सिन्हा को सौपा। उप्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी व महासचिव रमेश शंकर पाण्डेय के आवाहन पर प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न जनपदों से संगठन पदाधिकारी व पत्रकार राजधानी पहुंचे थे। वहां पहुंच कर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महासचिव के नेतृत्व मे सभी पत्रकार गगनचुंबी नारे लगाते हुये मुख्यमंत्री आवास की तरफ ज्ञापन देने हेतु बढने लगे। इसी बीच मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप मे एडीसीपी ने आकर ज्ञापन लिया। ज्ञापन मे मांग की गयी कि उप्र मे पत्रकार सुरक्षा बिल लागू किया जाय। सभी पत्रकारों को पूर्व की भांति चिकित्सा कार्ड जारी किये जाये। सभी साप्ताहिक, दैनिक आदि का भेद समाप्त कर सभी को सम्मान व सुविधायें दी जाय। जिलों में गठित स्थाई समितियों मे मान्यता प्राप्त व गैरमान्यता प्राप्त का भेद समाप्त कर वरिष्ठता के क्रम मे सदस्य बनाया जाय। समय समय पर सरकारों द्वारा जारी आदेशों का कड़ाई से पालन कराया जाय। पालन न कराने वाले अधिकारियों को दण्डित किया जाय। पत्रकारों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु शासन स्तर पर अलग से पटल स्थापित किया जाय। इस मौके पर सर्वश्री दिनेश त्रिवेदी, राकेश कश्यप, आशुतोष शुक्ल, अनुराग शर्मा, विजय गुप्ता, शशिकांत पाण्डेय, वेदप्रकाश पाण्डेय, लक्ष्मीकान्त पाठक, पं. आर सी गौड, गीता शर्मा, कोमल, सुबीर सेन, प्रकाश त्रिवेदी, देवेंद्र सिंह, धर्मेन्द्र पाण्डेय, विशाल शुक्ल, अली हसन, सगीर अनवर, अनिल शर्मा, पुनीत त्रिवेदी, विकास त्रिवेदी, लघु एवं मध्यम समाचार पत्र समिति के प्रदेश महामंत्री धनराज महेश्वरी, भारतीय ग्रामीण पत्रकार एसोसियेशन के प्रदेश प्रवक्ता मो. रशीद, बाबूलाल गुप्त, प्रेमचंद्र यादव, अजय मिश्र, देवेश नायक, रवि कश्यप, अक्षय मिश्र आदि तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

बंथरा कस्बे में वेल्डिंग की दुकान में चोरी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बंथरा में शातिर चोरों ने वाहन में एक बिल्डिंग की दुकान से कई कुंतल लोहा चुराकर रफूचक्कर हो गए।लखनऊ-कानपुर हाईवे पर खुली दुकान में चोरी करते समय जरा भी चोरों को पुलिस व जनता का भय नहीं रहा और हजारों रुपए का सामान पार कर दिया।बंथरा थाना क्षेत्र मे मंगलवार की रात कुछ अज्ञात चोरों ने वेल्डिंग की दुकान से करीब चार सौ किग्रा लोहे की जाल पिकप में लाद ले गए। यह घटना पड़ोसी की दुकान मे लगे सीसीटीवी मे कैद हो गई। पुलिस फुटेज के जरिए चोरो का पता लगा रही है। अकील अहमद खान की बंथरा कस्बे मे वेल्डिंग की दुकान है। अकील के मुताबिक रोज की तरह मंगलवार की शाम भी वो अपनी दुकान मे ताला लगाकर घर चले गए थे। उनका लोहे का तमाम सामान खुले मे भी रखा है। मंगलवार की रात करीब साढ़े बारह बजे कुछ लोग पिकप लेकर आए और लोहे की करीब चार सौ किग्रा वजनी जाल उसमे लादकर निकल गए। सुबह दुकान आने पर जब अकील ने सामान गायब देखा तो उन्होने इसका पता लगाने के लिए पड़ोसी विनीत की दुकान मे लगे सीसीटीवी मे देखा तो उसमे पूरी घटना कैद दिखाई दी। इस संबंध में थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी,कोई भी तहरीर दुकानदार द्वारा थाने में नहीं दी गई है। मौके पर दरोगा गए थे,मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

फर्जी तरीके से बैंक से निकाली गई लाखों की रकम

लखनऊ,चसं। बैंक अधिकारियों कर्मचारियों के मिलीभगत से एक व्यक्ति के खाते से लाखों रुपए की रकम निकाल ली गई।, इसकी जानकारी जब उपभोक्ता को हुई तो उसके होश उड़ गए। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने बैंक कर्मचारियों की सांठगांठ पर खाते से आधार कार्ड के जरिए फर्जी तरीके से 3 लाख 36 हजार रुपये की रकम निकालने का आरोप लगाया है। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। सरोजनीनगर के नटकुर गांव निवासी प्रभाकर नाथ प्रजापति के मुताबिक उसका बचत खाता सरोजनीनगर के ही गौरी बाजार स्थित सेंट्रल बैंक आफइंडिया की शाखा में है। प्रभाकर का कहना है कि बीती 16 जून से 20 जून के बीच उसके खाते से आधार कार्ड के जरिए फर्जी तरीके से 3 लाख 36 हजार रुपये निकाल लिए गए। प्रभाकर ने इस मामले में विश्वास जताते हुए आरोप लगाया है कि यह करतूत बैंक कर्मचारियों की साठगांठ से ही की गई है।

भाजपा सरकार को बस खोखले दावे करने की आदत पड़ गई: अखिलेश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार चाहे केन्द्र की हो या प्रदेश की, उन्हें बस खोखले दावे करने की आदत पड़ गई है। उनकी नीयत जनता को धोखे में रखने और लोगों को गुमराह करने की रहती है। कहने को जुलाई में टीकाकरण का महाअभियान शुरू होना है पर हकीकत यह है कि आवश्यकतानुसार टीकों की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। प्रदेश में बड़ी संख्या में टीकाकरण केन्द्र बंद किए जा रहे हैं। राजधानी लखनऊ में शनिवार, बुधवार को टीकाकरण न होने की सरकारी सूचना है। 145 केन्द्रों पर टीकाकरण बंद हो चुका है। कलस्टर अभियान के अंतर्गत केन्द्रों में टीकाकरण नहीं हो रहा है। अन्य जिलों में भी टीकाकरण दर 40 प्रतिशत गिरावट के साथ दर्ज की गई है। युवाओं के अलावा बुजुर्गों को भी टीकाकरण के लिए इधर-उधर मारे-मारे भटकना पड़ रहा है। टीकाकरण को लेकर रोज नया झूठा प्रचार, खोखले दावे और बदलती नीतियों से टीके की किल्लत तो हो ही रही है इससे भाजपा सरकार के बदइंतजामों की पोल भी खुल गई है। देश की राजधानी से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा में टीके की भारी कमी से लोग परेशान धूम रहे हैं।प्राप्त सूचनाओं के अनुसार बाराबंकी में वैक्सीन संकट गहराता जा रहा है। बदायूं में टीकाकरण की रफ्तार थमी है तो औरैया में टीके पर विराम लग गया है। आगरा में बूथों पर वैक्सीन खत्म, अब नहीं लग सकेगा टीका। झांसी में 33 टीकाकरण केंद्रों पर ताले लटके।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर, वाणिज्य विभाग नारी शिक्षा निकेतन पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज लखनऊ के द्वारा हमारे राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में सांख्यिकी की भूमिका विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण के क्षेत्र में भारत मे सांख्यिकी के जनक स्वर्गीय प्रो. पी सी महलोनोबिस के उल्लेखनीय योगदान को उजागर करने के अलावा, छात्रों को जीवन के हर पहलू में सांख्यिकी की भूमिका से अवगत कराना था। कार्यक्रम का प्रारंभ कार्यक्रम संयोजक डॉ. नीतू मिश्रा के स्वागत भाषण से हुआ।और उसके बाद आयोजन सचिव डॉ. सुनीता कुमार (प्राचार्या) ने उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप मे आमंत्रित डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, सहायक प्रोफेसर, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ, ने अपना व्याख्यान दिया उनके व्याख्यान के मुख्य अंश इस प्रकार हैं- 1. हमारी विकास योजनाओं को प्राप्त करने के लिए साक्ष्य आधारित नीतियों पर सांख्यिकी की भूमिका अत्यंत महत्व पूर्ण है। डॉ मिश्र ने सांख्यिकीय आंकड़ों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और कहा कि आर्थिक नियोजन में उचित निर्णय लेने के लिए आंकड़ों का विश्वसनीय, सटीक और मान्य होना आवश्यक है। 3. औसत और भिन्नता के महत्व का उल्लेख किया, इसके अलावा दैनिक व्यावसायिक जीवन में अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों के उपयोग पर प्रकाश डाला। डॉ मिश्र ने कहा की वर्तमान वैश्विक महामारी से लड़ने मे संख्यविदो ने अत्यंत महत्व पूर्ण भूमिका निभाई है। अनेक प्रकार के स्टैटिस्टिकल् मॉडल का प्रयोग करते हुए जन हानि को कम करने का प्रयास किया गया है। साथ ही साथ कोविड् विषाणु के लिए टीके के शीघ्र शोध एवं विकास मे अत्यंत महत्व पूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ मिश्र ने कहा की यदि आंकड़ो का संकलन एवं प्रकाशन ठीक नहीं होगा या फिर किसी भी स्तर पर आंकड़ो को छुपाया जायेगा तो न तो स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के प्रयास सफल होंगे और न ही इस महामारी से पीड़ित परिवारों को सरकारो द्वारा बनाई गई राहत योजनाओ का लाभ मिल पायेगा। प्राचार्या डॉ. सुनीता कुमार ने विचार-विमर्श का सार प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। डॉ. नीतू मिश्रा द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे कार्यक्रम को श्रीमती शीमा अब्बास (सह-संयोजक) द्वारा तकनीकी रूप से सहायता और संचालन किया गया । कार्यक्रम में प्रत्येक विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों सहित लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन आदरणीय प्रबंधक डॉ. अनिल कुमार अग्रवाल के नेतृत्व, निरंतर सहयोग एवं प्रेरणा में सफलतापूर्वक किया गया।

पटरी से उतर रही विद्युत आपूर्ति, हर क्षेत्र में बिजली कटौती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी की ध्वस्त हो रही सप्लाई व्यवस्था पर अभियन्ता लगाम नहीं लगा पा रहे हैं। शहर के हर फीडर और ट्रांसफॉर्मर, बिजली घर, डिवीजन कार्यालय, सर्किल कार्यालय, मुख्य अभियंता जोन सहित सभी इलाकों में 5 से 10 घण्टे तक सप्लाई व्यवस्था ध्वस्त हो गयी है। बहुत से इलाकों और जगहों पर लोगों ने सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किया। इस दौरान बिजली घरों का घेराव और पथराव किया। राजधानी लखनऊ में उमस बढ़ने के साथ शहर में बिजली कटौती बढ़ गई है। पिछले 24 घंटे में 50 से ज्यादा इलाकों बिजली कटौती हुई। लेसा के अधिकारी किसी भी तरह की कटौती से मना कर रहे हैं। लेकिन अधिकारियों के पास इस बात का जवाब नहीं है कि फॉल्ट एक निश्चित समय के लिए ही कैसे होता है। मंगलवार दिन से बुधवार तक शहर में फैजाबाद रोड, नाका, भूतनाथ, अमीनाबाद, इंदिरा नगर, गोमती नगर, वृंदावन कॉलोनी, बालागंज, फैजुल्लागंज, विकास नगर सेक्टर तीन, राजाजीपुरम, जानकीपुरम, अलीगंज समेत 50 से ज्यादा इलाकों में बिजली कटने से कस्टमर की परेशानी बढ़ गई है। व्यापारी नेता पवन मनोचा के नेतृत्व में कारोबारियों ने कैसरबाग के पास बिजली कटौती से नाराज होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बिजली कटने से कारोबार चलाना मुश्किल हो गया है। इधर अलामबाग के प्रेमनगर से लेकर सर्वोदय नगर, आजादनगर में बिजली की आवाजाही से जनजीवन अस्तव्यस्त रहा। इंदिरा नगर फैजाबाद रोड के व्यापारियों ने बताया कि पिछले कई दिन से 30 से 45 मिनट के लिए पूरे दिन में 5 से 5 बार बिजली कटती है।

महत्वपूर्ण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की समय-सारणी में निम्नानुसार संशोधन करने का निर्णय लिया गया है:-

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन	वर्तमान समय		परिवर्तित समय		तिथि
		आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान	
05269 मुज़फ्फरपुर जं. – अहमदाबाद जं. स्पेशल	भरतपुर जं.	18:18	18:20	18:00	18:02	तत्काल रूप से प्रभावी
05270 अहमदाबाद जं. – मुज़फ्फरपुर जं. स्पेशल	आगरा किला	09:50	10:10	09:30	09:50	

नोट: रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर सामाजिक दूरी व सैनिटाइजेशन आदि सहित कोविड-19 से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी नियमों और सभी सावधानियों का पालन करना अनिवार्य है।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट http://www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

तपस्या हमेशा अकेले किया जाना चाहिये अध्ययन एवं अभ्यास दो लोग कर सकते हैं गायन तीन लोग कर सकते हैं कृषि चार लोगों को मिलकर करना चाहिये और युद्ध हमेशा अनके लोगों के साथ मिलकर करना चाहिये-आचार्य चाणक्य मनि

संपादकीय

संभव है तीसरी लहर से बचाव

समूचा विश्व एक अनिश्चितता के माहौल से गुजर रहा है. कुछ देशों में टीकाकरण तेजी से हो रहा है, तो कुछ देशों में ऐसे अभियान के बीच में ही कोरोना संक्रमण में बढ़ोतरी की चुनौती सामने आ गयी. भारत में टीकाकरण हो रहा है और पर इस मामले में बहुत सारा काम अभी बाकी है. डेढ़ साल के महामारी के दौर में दुनियाभर में 18 करोड़ के आसपास लोग संक्रमित हुए हैं और करीब 40 लाख लोगों की मौत हुई है. हमारे देश में पहली लहर के दौरान एक दिन में सबसे अधिक मौतों की संख्या 1200 थी, जबकि दूसरी लहर में यह आंकड़ा 4500 से ऊपर रहा.दूसरी लहर की अत्यधिक संक्रामकता के कई कारण हो सकते हैं. इनमें एक वजह कोरोना वायरस के रूप में बदलाव है. मई में देश के 530 जिलों में रोजाना संक्रमण की संख्या 100 से अधिक थी. संक्रामकता दर औसतन 21 प्रतिशत थी, पर कुछ ऐसे इलाके भी थे, जहां यह आंकड़ा 30-40 प्रतिशत रहा था. अब जो दूसरी लहर बहुत कमजोर हुई है, उसका मुख्य कारण लॉकडाउन जैसी पाबंदियों को लगाना रहा है तथा लोगों ने भी निर्देशों पर अधिक अमल शुरू कर दिया है.अब जो हमारे सामने वायरस के वैरिएंट हैं, जैसे- डेल्टा, गामा, अल्फा, बीटा आदि- वे पूर्ववर्ती वायरस के म्यूटेंट हैं. किसी भी वायरस में म्यूटेशन होना आम बात है. इन बदलावों में कुछ उसके संक्रमण को बढ़ाने और संक्रमित को गंभीर रूप से बीमार करने का कारण बनते हैं, जिससे वह जल्दी खत्म नहीं होता. डेल्टा के अलावा पहले उल्लिखित सभी वैरिएंट हमारे देश में भी मिले हैं, पर सबसे अधिक संक्रामक अल्फा है, जो सबसे पहले ब्रिटेन में पाया गया था.महाराष्ट्र में इसमें और म्यूटेशन हुआ, जिसे हम डेल्टा के नाम से जानते हैं. भारत में 28 प्रयोगशालाओं का एक समूह है, जिनमें अब तक 45 हजार ऐसे वायरस नमूनों का अध्ययन हुआ है. डेल्टा वैरिएंट भारत में ही नहीं, अन्य कई देशों में मौजूद है. इसकी खासियत यह है कि इसकी संक्रामकता अधिक हो गयी है. दक्षिण अफ्रीका में पाया गया कि इसने वैक्सीन की क्षमता को कुछ कम कर दिया है. इसके बदले रूप को डेल्टा प्लस का नाम दिया गया है. इस वैरिएंट की टीकारोधी क्षमता के बारे में अभी अध्ययन हो रहे हैं. दूसरी लहर के दौरान ऐसा कहा गया कि वैज्ञानिकों ने समय रहते ऐसी आपदा के बारे में चेतावनी नहीं दी थी. अब सभी तीसरी लहर की आशंका जता रहे हैं, जिसमें शायद बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं. इस कारण चिंता भी अधिक है. हमारे यहां 18 साल से कम आयु के बच्चे आबादी का 40 प्रतिशत हैं. इनके लिए देश में अभी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है.पर तीसरी लहर के आने या न आने को लेकर कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता क्योंकि इसके लिए बहुत सारी जानकारियों की दरकार है. सो, अभी जतायी जा रही आशंकाएं अटकलें ही हैं. लेकिन, जो भी लहर आये और जब भी आये, जो हमें बचने के लिए करना है, उसमें कोई खास परिवर्तन नहीं आया है. हम संक्रमण से बचे रहने के लिए जो कुछ आज कर रहे हैं, वही उपाय हमें आगे भी करते रहना है. अगर तीसरी लहर आती भी है, तो ऐसा करने से उसका प्रभाव कम-से-कम होगा।

कोविड के दौर में शिक्षा का मोर्चा

नई शिक्षा नीति के प्राविधान इक्कीसवीं सदी में भारतीय शिक्षा की उड़ान के लिए पंख सदृश कहे जा सकते हैं परन्तु सब पर (अल्प) विराम लग गया है। कोविड के बाध्यकारी दबाव के परिणाम तात्कालिक रूप से बाधक हैं पर उसके कुछ पहलू तो अनिवार्य रूप से दूरगामी असर डालेंगे। बचाव और स्वास्थ्य की रक्षा की दृष्टि से तात्कालिक कदम के रूप में शैक्षिक संस्थानों को प्रत्यक्ष भौतिक संचालन से मना कर दिया गया और कक्षा की पढ़ाई और परीक्षा जहां भी संभव था आभासी (वर्चुअल) माध्यम से शुरू की गई।

कोविड की महामारी का भारत के सामाजिक जीवन और व्यवस्था पर सबसे गहन और व्यापक प्रभाव देश की शिक्षा व्यवस्था के संचालन को लेकर दिख रहा है जो मानव संसाधन के निर्माण के साथ ही युवा भारत की सामर्थेय और देश के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। देश ने बड़े दिनों बाद शिक्षा में सुधार का व्यापक संकल्प लिया था और उसकी रूप रेखा बनाई थी, उसके कार्यान्वयन में अतिरिक्त विलम्ब हो रहा है। नई शिक्षा नीति के प्राविधान इक्कीसवीं सदी में भारतीय शिक्षा की उड़ान के लिए पंख सदृश कहे जा सकते हैं परन्तु सब पर (अल्प) विराम लग गया है। कोविड के बाध्यकारी दबाव के परिणाम तात्कालिक रूप से बाधक हैं पर उसके कुछ पहलू तो अनिवार्य रूप से दूरगामी असर डालेंगे। बचाव और स्वास्थ्य की रक्षा की दृष्टि से तात्कालिक कदम के रूप में शैक्षिक संस्थानों को प्रत्यक्ष भौतिक संचालन से मना कर दिया गया और कक्षा की पढ़ाई और परीक्षा जहां भी संभव था आभासी (वर्चुअल) माध्यम से शुरू की गई। जहां ये साधन नहीं थे वहां औपचारिक पढ़ाई लगभग बंद सी हो गई थी। इस व्यवधान के चलते आए बदलाव को हुए अब दो साल के करीब होने को आए। स्वाभाविक रूप से बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए शिक्षा केंद्र में विद्यार्थी की भौतिक उपस्थिति विविध प्रकार की सीखने के अवसर और चुनौतियां देती रहती है जो उसके समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी खुराक होती है। परन्तु इस महामारी के बीच विद्यालय की अवधारणा ही बदल गई। बहुत से विद्यार्थी आनलाइन प्रवेश, आनलाइन शिक्षा और आनलाइन परीक्षा से गुजरने को बाध्य हो गए। शिक्षा-केंद्र विद्यार्थी और शिक्षक से भौतिक रूप से दूर तो हुए ही पर उनके विकल्प में मोबाइल या लैप टाप की स्क्रीन पर लगातार घंटों बैठने से आंखों, कमर और हाथ की उँगलियों आदि में शारीरिक परेशानियां भी होने लगी हैं। शिक्षा पाने का प्रेरणादायी और रोचक अनुभव अब उबाऊ (मोनोटोनस) होने चला है। आभासी माध्यम पर होने वाली आनलाइन कक्षा की प्रकृति में अध्यापक-छात्र के बीच होने वाली अन्तःक्रिया अस्वाभाविक और असहज तो होती ही है उसमें विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी और शिक्षक द्वारा दिए जाने वाले फीडबैक भी कृत्रिम लगते हैं। विद्यार्थी की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के अवसर कम होते जाते हैं। कई विद्यार्थी उसे वर्चुअल खेल ही मानते हैं। साथ ही वास्तविक परिस्थितियों में शिक्षक के समक्ष विद्यार्थी की उपस्थिति होने में अनुशासन के लिए जरूरी अभ्यास का अवसर मिलता है। इससे एक सामाजिक परिस्थिति बनती है जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नैतिकता का भी पाठ पढ़ाती है। इसके उलट आनलाइन कक्षा में कोताही की गुंजाइश अधिक हो गई है। लैपटाप और मोबाइल के उपयोग की अनिवार्यता ने सभी लोगों के अनुभव जगत को बदल डाला है। इसी बहाने आई सोशल मीडिया की बाढ़ ने, समय-कुसमय का ध्यान दिए बिना, वांछित और अवांछित हर किस्म का हस्तक्षेप शुरू किया है। ऐसे में अपरिपक्व बुद्धि वाले छोटे बच्चों की जिन्दगी में सोशल मीडिया के अबाध प्रवेश पर रोक-छेंक लगाना अब माता-पिता के लिए पहेली बन रहा है। शिक्षा के लिए जरूरी गंभीरता और सजगता में लगातार कमी आ रही है। उपर्युक्त माहौल में शिक्षा की जो भी और जैसी भी परिभाषा, उसका सुपरिचित ढांचा और स्वीकृत प्रक्रिया थी, बदल गई। साथ ही प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक की कक्षाओं के लिए नई आनलाइन प्रणाली के लिए हम पहले से तैयार न थे। यह तकनीकी बदलाव सिर्फ डिलीवरी के तरीके से ही नहीं जुड़ा है बल्कि दुनिया और खुद से जुड़ने और अनुभव करने के नजरिये से भी जुड़ा हुआ है। सीखने की प्रक्रिया को कम्प्यूटर के की बोर्ड को आपरेट करने तक सीमित करना विद्यार्थियों को सीखने और समझने की शैलियों में विविधता की भी अनदेखी करता है। एक बंधा-बंधाया तकनीक-नियंत्रित ढांचा उनके ऊपर थोप दिया जाता है और उसी में बंध कर ही सीखना-पढ़ना होता है। ऐसा करने में कल्पनाशीलता, प्रयोग और सृजन के अवसर कम होते जाते हैं। इन सबके बीच सूचना ही ज्ञान और अनुभव का पर्याय बनती जा रही है। हालांकि ऐसे आशावादी लोग भी हैं जो अब यह विश्वास करने लगे हैं कि भविष्य में सबकुछ आनलाइन व्यवस्था के अधीन हो जायगा। वे ऐसा मानने के लिए बड़े आतुर हैं क्योंकि वे उसे ही एकमात्र विकल्प मान बैठे हैं। पर यह कल्पना दूर की कौड़ी है और इस तरह की सोच शिक्षा को उसके मुख्य प्रयोजन से दूर ले जाने वाली है। दूसरी ओर कुछ यथास्थितिवादी शिक्षाविद भी हैं जो शिक्षा के पारंपरिक ढाँचे को ही ठीक समझते हैं। परन्तु शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वालों में अधिकाँश लोग आनलाइन और आफलाइन दोनों तरीकों के मिले-जुले रूप (ब्लेंडेड) को ही बेहतर मानते हैं। वे लोग बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई तकनीकों का लाभ लेते हुए शिक्षा की संवादमूलक मानवीय प्रक्रिया को ही स्वाभाविक और मानवता का हितैषी मानते हैं। आज की आन लाइन शिक्षा शिक्षा से जुड़े लोगों की बदलती आदतें अब तकनीकी व्यवस्था में उलझ रही हैं . नतीजा यह हो रहा है कि अब ध्यान देने , सोचने और आत्मसात करने की जगह डाउनलोड और उपलोड करने, गूगल में सर्च करने, स्क्रीन शेयर करने और पीपीटी तैयार करने जैसे कम्प्यूटरी कौशलों के अभ्यास और प्रबंधन के रुटीन को स्थापित करने में ही ज्यादा से ज्यादा समय बीत रहा है। तकनीकी की यह प्रबलता मानव मस्तिष्क को नए ढंग से काम करने के लिए प्रशिक्षित करने लगी है।-**एजेंसी**

आक्सीजन चोर कौन?

मोदी सरकार को जिम्मेदारी से बचाने की यह कोशिश इतनी बेतुकी है कि अगर इसमें भविष्य के लिए खतरनाक इशारे नहीं छुपे होते तो, इसका मजाक भर उड़ाकर छोड़ा जा सकता था। आखिरकार, अगर बहस के लिए यह भी मान लिया जाए कि दिल्ली की सरकार ने वाकई आक्सीजन की अपनी मांग को बढ़ा-चढ़ाकर रखा था ।

फ्रांस के बोरबोन राजाओं के बारे में जो कहावत प्रसिद्ध है कि ये राजा न कुछ भूलते थे और न कुछ सीखते थे, भारत के मौजूदा निजाम पर एकदम फिट बैठती है। और कोविड महामारी के वर्तमान भयानक संकट के बीच भी, वर्तमान निजाम की इस खासियत में रत्तीभर कमी नहीं आई है। वह सारे देश और दुनिया की देखी-जानी सच्चाइयों को ही झुठलाने में लगा हुआ है। इसका ताजातरीन साक्ष्य, दिल्ली में आक्सीजन की तंगी के मुद्दे पर एक कथित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के बहाने से, भाजपा के शीर्ष राष्ट्रीय प्रवक्ता समेत, पूरे संघ तंत्र द्वारा छेड़ा गया प्रचार हमला था। इस हमले के जरिए दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर न सिर्फ दूसरी लहर के चरमोत्कर्ष के दौर में दिल्ली की आक्सीजन की मांग को पूरे चार गुना बढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया जा रहा था बल्कि कमोबेश इसके आरोप भी लगाए जा रहे थे कि आक्सीजन की अपनी अतिरंजित मांग से दिल्ली ने, दूसरे राज्यों के हिस्से में से आक्सीजन हड़प ली थी और इस तरह देश के अनेक हिस्सों में आक्सीजन की कमी और उसकी वजह से हुई मौतों के लिए भी, आप जैसी विपक्षी पार्टियों की सरकारें ही जिम्मेदार थीं, न कि नरेंद्र मोदी की सरकार। और जैसा कि अब आम नियम ही हो गया है, संघी ट्रोल सेनाएं इसके प्रचार के लिए टूट पड़ीं कि कैसे विपक्षी पार्टियों ने षड़यंत्र कर के देश में आक्सीजन की झूठी कमी पैदा करने की कोशिश की थी, ताकि देश-विदेश में नरेंद्र मोदी की सरकार को बदनाम किया जा सके। याद रहे कि इससे पहले इसी तरह, कोविड-19 की दूसरी लहर में मोदी सरकार की घोर विफलता की बढ़ती आलोचनाओं को, कांग्रेस पार्टी के टूल किट की ही उपज साबित करने की कोशिश की गई थी, जिसके सिलसिले में भाजपा के शीर्ष राष्ट्रीय प्रवक्ता समेत कुछ मंत्रियों के ट्वीटों पर श्फर्जी मीडिया का ठप्पा लगाने के लिए, ट्विटर के खिलाफ मोदी सरकार द्वारा छेड़ा गया युद्ध अब तक शांत नहीं हुआ है। मोदी सरकार को जिम्मेदारी से बचाने की यह कोशिश इतनी बेतुकी है कि अगर इसमें भविष्य के लिए खतरनाक इशारे नहीं छुपे होते तो, इसका मजाक भर उड़ाकर छोड़ा जा सकता था। आखिरकार, अगर बहस के लिए यह भी मान लिया जाए कि दिल्ली की सरकार ने वाकई आक्सीजन की अपनी मांग को बढ़ा-चढ़ाकर रखा था, तब भी उसकी बढ़ी-चढ़ी मांग, देश के अनेक हिस्सों में देखने में आई आक्सीजन की कमी की जिम्मेदारी से, मोदी सरकार का बचाव कैसे हो सकती है? पहली बात तो यही है कि इसके कोई साक्ष्य नहीं हैं कि दिल्ली सरकार की ऐसी किसी अतिरंजित मांग के केंद्र सरकार द्वारा पूरा किए जाने से, अन्य राज्यों के आक्सीजन के हिस्से में कमी की गई हो। सच्चाई यह है कि दिल्ली में आक्सीजन की कमी से अनेक मौतें होने और कई अस्पतालों व नागरिक संगठनों के इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बावजूद, यही तथ्य सामने आया था कि वास्तव में दिल्ली के लिए केंद्र सरकार द्वारा तय किए कोटा के बराबर आक्सीजन की भी मुश्किल से ही आपूर्ति हो पा रही थी। यहां तक कि अदालत के दिल्ली के केंद्र द्वारा तय किए गए कोटा से दोगुनी आक्सीजन देने के आदेश के बाद भी, हाईकोर्ट में ही दी गई जानकारी के अनुसार, दिल्ली को कई दिन तक उसके केंद्र द्वारा निर्धारित किए गए विवादित कोटे से भी कम आक्सीजन ही मिल रही थी। तब कहा जा रहा था कि दिल्ली की सरकार चूंकि आक्सीजन उत्पादक कारखानों से आक्सीजन की ढुलाई के लिए क्रायोजैनिक टैंकरों की पर्याप्त संख्या नहीं जुटा पाई थी, इसीलिए दिल्ली को अपने हिस्से की पूरी आक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। यह दूसरी बात है कि ज्यादा हो-हल्ला मचने पर मोदी सरकार को मानना पड़ा कि हजारों किलोमीटर दूर से और विशेषीकृत टैंकरों में द्रव आक्सीजन की ढुलाई का जिम्मा राज्यों पर ही नहीं छोड़ा जा सकता है और तब तो और भी नहीं जब मामला चिकित्सकीय आक्सीजन जैसी, आपदा नियंत्रण कानून के अंतर्गत आवश्यक वस्तु की उपलब्धता सुनिश्चित करने का हो।जाहिर है कि जब आक्सीजन संकट के सबसे गंभीर दौर में दिल्ली को खुद केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए कोटे से ज्यादा आक्सीजन मिली ही नहीं थी, तो केजरीवाल सरकार के बढ़ी-चढ़ी मांग करने से भी, देश के दूसरे हिस्सों के लिए आक्सीजन में कमी कैसे पैदा हो सकती थी? साफ है कि दिल्ली सरकार के आक्सीजन की बढ़ा-चढ़ाकर मांग करने का प्रचार तो सिर्फ बहाना था, मकसद मोदी सरकार को आक्सीजन की कमी के संकट की जिम्मेदारी से बचाना था। आखिरी बात यह कि अगर दिल्ली सरकार की मांग के दबाव में, आक्सीजन की सीमित मात्रा में से दिल्ली का हिस्सा बढ़ भी गया होता और दूसरे राज्यों का हिस्सा कम भी हो गया होता, तब भी मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार, दूसरे राज्यों में आक्सीजन की तंगी की जिम्मेदारी से कैसे बच सकती थी। आखिरकार, आपदा नियंत्रण कानून के तहत, देश में आक्सीजन के वितरण के निर्णय पूरी तरह से केंद्र सरकार के ही हाथों में थे, जबकि राज्य सरकारें अपनी-अपनी मांगों को उसके सामने उठा भर सकती थीं। ऐसे में कोई भी राज्य सरकार, अपनी मांग को बढ़ा-चढ़ाकर रख सकती है बल्कि राज्य सरकारों से सामान्यतरू ऐसा ही करने की अपेक्षा की जाती है।केंद्र सरकार की ही जिम्मेदारी थी कि उपलब्ध सीमित संसाधनों का राज्यों के बीच वितरण करे और किसी ऐसे वस्तुगत मानक के आधार पर वितरण करे, जिससे यह वितरण न्यायपूर्ण हो।-**एजेंसी**

समानांतर सरकार गठन की पहली घटना

स्वतंत्रता संग्राम में जनभागीदारी, सहयोग और रणनीति के दृष्टिकोण से हूल आंदोलन का स्वरूप एक जन-आंदोलन का था. यह समानांतर सरकार गठन की पहली घटना थी. विशाल और प्रशिक्षित ब्रिटिश सेना के समक्ष जिस प्रकार गुरिल्ला तकनीक का प्रयोग इस आंदोलन में किया गया, वह लंबे समय तक क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा होगा.संताल शांतिप्रिय, विनम्र लोग हैं. इनका मुख्य पेशा कृषि और आखेट रहा था. आरंभ काल में मानभूम धालभूम, हजारीबाग, मिदनापुर, बांकुड़ा एवं बीरभूम आदि इलाकों में इनकी बसावट थी. इस इलाके में भूमि बंदोबस्ती का गहरा प्रभाव पड़ने के उपरांत बाहरी तत्व सूदखोरों, व्यापारियों, ठेकेदारों और जमीन हड़पने वाली व्यवस्था इतनी मजबूत हो गयी कि अधिकतर संताल समुदाय के लोगों को यहां से पलायन करना पड़ा. सीधे-साधे लोगों को ऋण के कुचक्र में इस प्रकार फंसाया जाता था कि उन से 50 प्रतिशत से 500 प्रतिशत तक के ब्याज वसूले जाते थे. दुमका के तत्कालीन उपायुक्त एआर थैम्पसन ने लिखा है कि संताल आदिवासी महेशपुर और पाकुड़ के राजाओं से नफरत करते थे, क्योंकि वे गैर आदिवासियों को गांव का पट्टा दे दिया करते थे. कंपनी की न्याय व्यवस्था लचर होने के कारण आदिवासियों की पीड़ा बढ़ती गयी और उनकी इस पीड़ा ने एक बड़े जन आंदोलन की जमीन तैयार की. कंपनी के अधिकारी दीवानी अधिकार तो अपने पास रखते थे, परंतु फौजदारी कानून को लेकर वह एकमत नहीं थे.इन परिस्थितियों में संताल आदिवासियों के पास व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह के अलावे कोई रास्ता नहीं बचा. वर्तमान साहेबगंज जिले का भोगनाडीह गांव उस ऐतिहासिक घटना का साक्षी बना, जब सिदो, कान्हू चांद और भैरो के नेतृत्व में हजारों-हजार की संख्या में संतालों ने एकत्र होकर डीक शासन (अंग्रेजी हुकूमत) की समाप्ति का आह्वान कर दिया, जिसे आज हम हूल दिवस के रूप में याद कर रहे हैं.1857 से ठीक पूर्व हूल एक ऐसी क्रांति थी, जिसने उस दौर में औपनिवेशिक सत्ता को हिला कर रख दिया. भोगनाडीह से आदिवासियों ने आह्वान कर दिया कि अब हमारे ऊपर कोई सरकार नहीं, थानेदार नहीं, हाकिम नहीं. अब संताल राज्य स्थापित हो गया. संताल राज्य में स्वतंत्र सरकार की स्थापना हो जाने के उपरांत सिदो को राजा, कान्हू को मंत्री, चांद को प्रशासक और भैरो को सेनापति बनाया गया. जनसाधारण को यह अवगत कराया गया कि इस सरकार को मरांग बुरु (मुख्य देवता) और जाहेर एरा (मुख्य देवी) की कृपा प्राप्त है. सरकार की अवहेलना करने पर पर मृत्युदंड तक संभव है. 60000 सैनिकों का दस्ता तैयार किया गया. आदिवासी सेना को 1500-2000 टुकड़ियों में बांटा गया. सशस्त्र क्रांति का सूत्रपात संथालों की भीड़ के द्वारा एक थानेदार को मार देने से होती है।

लोकतंत्र के सुंदर चेहरे पर दागनुमा है वीआईपी कल्चर

हमारे यहां राजनीति के प्रारंभिक दौर में ज्यादातर ये ही लोग (राजा-महाराजा, अमीर-उमराव) सियासत और सत्ता पर पकड़ बनाये हुए थे, फिर भी आजादी के तुरन्त बाद के कुछ काल में जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री एवं बाद में मोरारजी देसाई जैसे लोगों ने सादगी भरे जीवन का अनुपालन किया जो महात्मा गांधी के मन-वचन-कर्म से अनुप्रेरित था।

इस मायने में भारत का ज्ञात इतिहास ज्यादातर देशों से कमोवेश बहुत अलग नहीं है जहां लोकतांत्रिक विकास राजशाही, सामंतशाही, जमींदारी प्रथा से होता हुआ वर्तमान शासन प्रणाली तक पहुंचा है। हमारे यहां राजनीति के प्रारंभिक दौर में ज्यादातर ये ही लोग (राजा-महाराजा, अमीर-उमराव) सियासत और सत्ता पर पकड़ बनाये हुए थे, फिर भी आजादी के तुरन्त बाद के कुछ काल में जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री एवं बाद में मोरारजी देसाई जैसे लोगों ने सादगी भरे जीवन का अनुपालन किया जो महात्मा गांधी के मन-वचन-कर्म से अनुप्रेरित था। हमारे राजनैतिक किस्सों में ये लोग अपनी सीधी-सादी जीवन प्रणाली के लिये आज भी याद किये जाते हैं। दुर्भाग्य से यह शैली लम्बे समय तक बरकरार नहीं रही और आज वीआईपी कल्चर हमारे सामाजिक-राजनैतिक जीवन में किसी असाध्य बीमारी की तरह अपना घर बना चुका है। यह अब सुरक्षा व्यवस्था से बढ़कर समग्र लोकतांत्रिक व्यवस्था के ही खिलाफ दृष्टिगोचर हो रहा है। इंदिरा गांधी ने इस अति विशिष्ट लोगों की संस्कृति और रिवाजों का प्रवर्तन किया। उनके समय में संजय गांधी एवं चंद्रास्वामी जैसे लोगों को श्अति विशिष्ट व्यक्तिश् का दर्जा मिला जो किसी संवैधानिक पद पर नहीं थे। स्वयं इंदिरा गांधी की हत्या के चलते महत्वपूर्ण लोगों की सुरक्षा व्यवस्था चुस्त करने के नाम पर वीआईपी संस्कृति और भी विकसित हुई। राजीव गांधी से लेकर कई राजनीतिज्ञों, मंत्रियों, उद्योगपतियों, बिल्डरों, सिनेमा कलाकारों, कामगार नेताओं, गैंगस्टरों, माफियाओं आदि की हत्याओं के कारण यह संस्कृति अत्यंत फल-फूल चुकी है। कुछ अति विशिष्ट बन गये लोगों की जान के संभावित नुकसान के नाम पर हमारे सुरक्षा बलों की बड़ी ऊर्जा, समय और संसाधन जाया हो रहे हैं।इसके कारण वे अपना मूल काम यानी जनसुरक्षा एवं अपराध अन्वेषण प्रभावी ढंग से नहीं कर पाते। दुखद पहलू तो यह है कि इनमें से ज्यादातर ऐसे हैं जिन्हें भारी-भरकम सुरक्षा की आवश्यकता ही नहीं है। जनता के टैक्स से मिलने वाली इस सुरक्षा का उपयोग वे समाज में अपना दबदबा कायम करने, लोगों को धमकाने, अनधिकृत स्थानों में प्रवेश करने अथवा अपना व्यवसाय चलाने जैसे कई उल्टे-सीधे कामों को साधने के लिये करते हैं। भारत में वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था का राजनैतिक दुरुपयोग भी भरपूर होता है। जिनके हाथ में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने और मुहैया कराने की शक्ति है, वे अपने राजनैतिक आकाओं को खुश करने के लिए भी इसका उपयोग करते हैं। हाल ही में कुल्लू में एक केन्द्रीय मंत्री व हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के सामने ही सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों एवं स्थानीय पुलिस अधिकारी के बीच मारपीट हो गई जो इसी बात का उदाहरण है। परिपक्व लोकतंत्र वाले कई यूरोपीय देश, कनाडा, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि इस मामले में आदर्श कहे जा सकते हैं। यहां कोई राष्ट्रपति जमीन पर घुटनों के बल पर बैठकर किसी कोरोना मरीज की व्यथा सुनता है तो कोई अपनी गिराई कॉफी स्वयं साफ करता है, कोई पीएम खुद कार चलाकर अपने पत्रकार मित्र को लेने एयरपोर्ट पहुंचती है तो कहीं पूर्व राष्ट्रपति परिवार सहित सामान्य रेस्त्रां में भोजन करते हैं या खरीदारी करते हैं। इसके विपरीत भारत का वीआईपी कल्चर थमने का नाम नहीं ले रहा है क्योंकि अब यह राजनैतिक हितों को साधने के लिये हो रहा है। अनेक उद्योगपति, सिने कलाकार, धार्मिक नेता, खिलाड़ी, पत्रकार, मंत्री या नेता अथवा उनके रिश्तेदार वीआईपी बनकर समाज में विचरण करते हैं। यहां तक कि हमारे यहां उन अपराधियों को तक वीआईपी बना दिया जाता है जो स्वयं समाज के अन्य लोगों अथवा वर्गों के लिये खतरा हैं। वीआईपी कल्चर पर लिखने की नौबत इसलिये आई है क्योंकि हाल ही में हमारे राष्ट्रपति के काफिले के लिये रोके गये ट्रैफिक में फंसकर एक बीमार महिला की मौत हो गई। राष्ट्रपति द्वारा अफसोस जताकर, कुछ उच्च पुलिस अधिकारियों द्वारा मृतक के परिजनों से घर जाकर माफी मांगने और कुछ छोटे पुलिस कर्मियों को निलम्बित कर खानापूरी कर ली गई।-**चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेष:- आज सावधानी बरते। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे।

वृषभ:- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुन:- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्क :-आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रता पूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद-विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंह:- आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या:- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुला:- आज गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

वृश्चिक:- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

धनु:- गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

मकर:- सामाजिक रूप से ख्याति प्राप्त होने से आज व्यावसायिक, आर्थिक तथा सामाजिक रूप से लाभदायी दिन है। मध्याह्न के बाद सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य को संभालिएगा। वाहन चलाते समय भी सावधानी रखिएगा। मानसिक रूप से भी कुछ अस्वस्थता का अनुभव होगा।

कुंभ:- आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होने के संकेत गणेशजी आपको देते हैं। प्रत्येक कार्य सरलतापूर्वक संपन्न होगा। कार्यालय में ऊपरी अधिकारी को आपके कार्य से संतोष रहेगा और पदोन्नति के योग हैं। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का आयोजन भी हो सकता है।

मीन:- व्यवसायी और व्यापारीवर्ग के लिए प्रातः काल का समय अनुकूल नहीं है, ऐसा गणेशजी कहते हैं। ऊपरी अधिकारी तथा प्रतिस्पर्द्धियों के साथ व्यर्थ चर्चा या विवाद न करिएगा। कार्यालय का वातावरण अनुकूल होगा। अपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे।

संक्षिप्त समाचार

परिजनों ने चुनावी रंजिश को लेकर पूर्व प्रधान पर लगाया हत्या का आरोप

हरदोई,चसं। शाहाबाद कोतवाली के ग्राम दौलतियापुर में पेड़ से युवक का लटकता हुआ शव मिला।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शाहाबाद कोतवाली के ग्राम दौलतिया पुर निवासी घनश्याम के अनुसार ,उसका भाई अजय कुमार 23 वर्ष पुत्र राम अवतार सुबह गन्ने के खेत में पानी लगाने के लिए घर से कहकर निकला था।1काफी देर होने के बाद जब वह घर वापस नहीं आया तो परिजनों ने तलाश की, जिसके बाद परिजन ढूंढते ढूंढते गन्ने के खेत में पहुंचे जहां पर अजय का शव गमछे से यूकेलिप्टस के पेड़ से लटकता हुआ मिला। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान भी पाए गए।शव मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह और क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र कुमार मौके पर पहुंचे, वही एडिशनल एसपी कपिल देव फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। परिजनों से पूछताछ की। परिजनों ने पूर्व प्रधान पर चुनावी रंजिश को लेकर के हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

लंबित चकबन्दी प्रक्रिया के सम्बन्ध में उच्चाधिकारियों की बैठक

हरदोई,चसं। ग्राम पंचायत गदाइपुर तिगांवा के राजस्व ग्राम लोहकनपुर में लंबित चकबन्दी प्रक्रिया के तहत तहसील व चकबन्दी के उच्चाधिकारियो की उपस्थिति में किसानों की बैठक महेश्वराश्रम संस्कृत विद्यालय हरियावा में हुई।

बैठक में प्रधान मायाराम की उपस्थिति में किसानों ने चकबन्दी प्रक्रिया रोकने का अनुरोध किया, जिसमें किसानों ने लोहकनपुर की चकबन्दी को निरस्त करने का प्रस्ताव पास किया। बैठक में आए तहसीलदार सदर एस ओ सी चकबन्दी ने किसानों से पूछा कि आप सभी चकबन्दी चाहते हैं या नहीं,सभी किसानों ने चकबन्दी न कराने का अनुरोध किया। एस ओ सी ने लेखपाल को प्रस्ताव लिखने का आदेश दिया। प्रस्ताव पर किसानों के हस्ताक्षर एवं तहसीलदार सदर ने अपनी उपस्थिति में कराए।बैठक में लेखपाल अवधेश दीक्षित, चकबन्दी लेखपाल राजेंद्र प्रसाद, कानूनगो तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थिति रहे।

हत्या के मामले में ग्राम प्रधान समेत पांच आरोपियों को पुलिस ने भेज जेल

हरपालपुर/हरदोई,चसं। कोतवाली क्षेत्र के बम्हरौली गांव में शनिवार की रात प्रधानी के चुनाव की रंजिश को लेकर एक युवक की लात घूँसो व लाठी-डंडों से पीट कर हत्या के मामले में ग्राम प्रधान समेत पॉच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। हरपालपुर थाना क्षेत्र के बम्हरौली गांव निवासी बालेश 42 पुत्र रामनरेश शनिवार की रात करीब 10 बजे गांव के बाहर लगी आटा चक्की से घर वापस आ रहा था। तभी कुछ लोगों हथियारों से लैस होकर संदीप के मकान के सामने उसे रोककर युवक पर लात घूँसो व लाठी-डंडों से हमला बोलकर मौत के घाट उतार दिया था। मृतक के भाई कौशलेंद्र की तहरीर पर ग्राम प्रधान संदीप कुमार सुरेश चंद्र , अवधेश चंद्र, आलोक, आशुतोष , विनीत के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।प्रभारी निरीक्षक दीपक शुक्ला ने बताया बुधवार को पुलिस ने संदीप कुमार, सुरेश चंद, अवधेश ,आलोक व आशुतोष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एक आरोपी की तलाश की जा रही है।

मानसिक तनाव में फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

हरदोई,चसं। जिले के बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव में मानसिक तनाव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कपूरपुर निवासी आशुतोष पुत्र मंशाराम (47) ने मानसिक तनाव में आकर घर के पास खड़े गूलर के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को घटना की जानकारी मिली तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। मृतक के पुत्र प्रवीण कुमार ने बताया कि पिता शराब का आदी था। जिससे मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी। जिसके चलते सोमवार की देर रात घर के पास खड़े गूलर के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के 4 पुत्र हैं व एक पुत्री है। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जल्द शुरू की जाए काउंसिलिंग

सीतापुर,चसं। बीएड टीईटी 2011 उत्तीर्ण संघर्ष मोर्चा के आवाहन पर लगातार ट्वीटर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद वार सांसद, विधायक व जिलाध्यक्ष को ज्ञापन दिया जा रहा है। जिसमें 7 दिसम्बर 2012 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 72000 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती हेतु जारी किए गए विज्ञापन के सापेक्ष रुकी हुई काउन्सलिंग जल्द शुरु करवाने की मांग की गयी। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। जिसके सापेक्ष लाखों बीएड टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। आवेदन शुल्क प्रति जनपद 500 रुपये था और भर्ती जनपदवार ही होनी थी। इसलिए बेरोजगार अभ्यर्थियों ने लगभग सभी जनपदों में उधार लेकर व जेवर तक गिरवीं रखकर आवेदन किया था। जिसके फ्लस्वरूप अरबों रुपए कोषागार में आज भी जमा है। इन लोगों ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बीजेपी जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, सांसद अशोक रावत, एमएलसी उमेश द्विवेदी, विधायक ज्ञान तिवारी, रामकृष्ण भार्गव, सुरेश राही, महेंद्र यादव, शशांक त्रिवेदी, सुनील वर्मा को ज्ञापन देकर काउन्सलिंग यथाशीघ्र कराए जाने कर मांग की। ज्ञापन देने वालों में पंकज पांडेय, ललित त्रिपाठी, उत्तम वैश्य, जीतेन्द्र कुमार, रजनीश गुप्ता, राजू वैश्य, सन्तराम, बेचेलाल, कृष्ण प्रकाश आदि शामिल हैं।

चेकिंग कर वाहनों का काटा चालान

रेउसा/सीतापुर,चसं। परिवहन अधिकारी व प्रभारी निरीक्षक रेउसा के संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान क्षेत्र में अनाधिकृत से तरीके से चल रहे वाहनों का चालान काटा और जुर्माना भी वसूला। एआरटीओ उदित नारायण पांडेय व रेउसा प्रभारी निरीक्षक राय साहब द्विवेदी ने अभियान चलाया। इस दौरान एक ट्रक, एक बस व 16 ट्रैक्टर में ट्राली का चालान किया।

पूर्व सांसद व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य अंजू बाला ने पीड़ित परिजनों से की मुलाकात

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरपालपुर/हरदोई। जिले के थाना क्षेत्र के पलिया गांव में एक माह पूर्व एक किशोरी के साथ बलात्कार कर फांसी के फंदे पर शव लटका देने के मामले में बुधवार को पूर्व सांसद व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य अंजू बाला ने पीड़ित परिजनों से मिलकर न्याय का भरोसा दिलाया। दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थाना क्षेत्र के पलिया गांव में एक माह पूर्व किशोरी के साथ गांव के ही चांद बाबू जगतू एक अज्ञात ने मिलकर किशोरी के साथ बलात्कार कर उसके शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया था। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने 3 लोगों के खिलाफ बलात्कार व हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज कर किया था। आरोपी चांद बाबू को पुलिस जेल भेजा जा चुकी है।राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य अंजू बाला ने पीड़ित परिजनों के घर बुधवार को पहुंच कर उन्हें सरकार से सहायता राशि उपलब्ध कराने की बात कही है। अंजू बाला ने कहा,पीड़ित परिजनों को इंसाफ मिलेगा। जिला स्तर पर जब किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं होती है तो लोग आयोग का दरवाजा खटखटाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं हरदोई जिले की बहू हूं और इन लोगों के दर्द करीब से जानती हूं। यहां आकर बहुत तकलीफ हुई और उनके जो आंसू निकल रहे हैं वह व्यर्थ नहीं जाएंगे। पीड़ित परिजनों को आश्वासन देते हुए कहा कि जिन लोगों ने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। उन्हें किसी भी प्रकार से बख्शा नहीं जाएगा।मामले की गहनता से जांच होगी। प्रशासन को 15 दिनों का समय देकर कहा कि यदि पीडित संतुष्ट नहीं हुए तो हम इनको दिल्ली तलब करेंगे। समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि आर्थिक मदद दिलवाई जाएगी।उन्होंने पुलिस प्रशासन से लेकर जिला स्तर के कई अधिकारियों को फोन पर कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।मौके पर मौजूद क्षेत्राधिकारी विजयेंद्र द्विवेदी से कहा अगर इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती गई तो किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

आरटीई के तहत 25 जून से 15 जुलाई तक करें आवेदन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

कछौना/हरदोई। हर बच्चे को शिक्षा का समान अधिकार मिले। इसके लिए शासन स्तर पर विभिन्न योजनाएं चलती हैं। ऐसा ही एक समान शिक्षा अधिकार के तहत निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निजी विद्यालयों में 25 फ़ीसदी सीटों पर गरीब परिवारों के लिए प्रवेश कराने हेतु मौका दिया गया है। इस कानून के तहत उनकी फीस और काफी किताबों की व्यवस्था सरकार द्वारा की जाती है। तीसरे चरण के अंतर्गत 25 जून से 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन होंगे। 18 जुलाई तक जांच होगी। 20 जुलाई को लाटरी समाप्त कराकर उसमें आने वाले बच्चों को 30 जुलाई तक प्रवेश कराया जाएगा। प्रशासन की हीला हवाली के चलते कई बार सरकार द्वारा जारी धनराशि वापस हो जाती है। कई बार शैक्षिक सूत्र समाप्त होने के बाद भी नौनिहालों को मिलने वाली सुविधाएं फ़ीस, काफी, किताबें नहीं मिल पाते हैं। जिसका खामियाजा नौनिहालों को उठाना पड़ता है। समय से शुल्क न मिलने के कारण निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्य इस योजना के तहत चयनित नौनिहालों को प्रवेश लेने में रूचि नहीं लेते हैं। इस कानून में एक में एक बाध्यता की वजह से अभिभावकों को एक अच्छे विद्यालयों में प्रवेश कराने में असुविधा होती है। एक किलोमीटर के अंदर स्कूल में प्रवेश कराना है। आवश्यक अभिलेख आय प्रमाण पत्र, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, अभिभावक का पहचान पत्र की छाया प्रति संलग्न कर आवेदन ऑनलाइन करा ले। ऑनलाइन आवेदन rtewzupsdc.gov.in वेबसाइट पर करा सकते हैं। यदि एक अप्रैल को बच्चे की उम्र 6 वर्ष से अधिक और 7 वर्ष से कम है तो उसे पहली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। गरीब बच्चे को निजी विद्यालयों में बेहतर शिक्षा पाने का मौका मिलेगा और शिक्षा का सामान अवसर पाकर वे आगे बढ़ेंगे परंतु विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह महत्वपूर्ण योजना खाली पुलाव से ज्यादा कुछ नहीं है। आखिर नौनिहालों के भविष्य पर पक्षपात क्यों हैं। इस तरह भारत में शिक्षा अमीर व गरीब के बीच की दूरी को बढ़ा रही है।

क्रिएटिव ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में जूनियर व सीनियर वर्ग का परिणाम घोषित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। अंतर्ध्वनि जन कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित की जा रहीं क्रिएटिव ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में लेट्स एड्रेस टु पीपल (स्पीच) प्रतियोगिता के जूनियर व सीनियर वर्ग का परिणाम घोषित कर दिया गया। इन ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य प्रतियोगिताओं के साथ साथ प्रतिभागियों को कार्यशाला सा अनुभव देना है। लेट्स एड्रेस टु पीपल (स्पीच) प्रतियोगिता के परिणामों के विषय में जानकारी देते हुए आयोजक कुलदीप द्विवेदी ने बताया कि जूनियर वर्ग में दिल्ली के वेदांत कोटनाला को प्रथम, हरदोई की अनुश्री अस्थाना को द्वितीय व सारा सिद्दीकी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निखिल शर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। सीनियर वर्ग में श्रेय मिश्रा प्रथम, अंशिका मिश्रा द्वितीय व समीरा सिद्दीकी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। नाव्या वर्मा व राशि गुप्ता को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का निर्णय इनरव्हील क्लब बरेली की सीजीआर वंदिता शर्मा ने किया। आयोजक ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता की कोर कमेटी में शामिल संयोजकों के मध्य ऑनलाइन सेल्फी प्रतियोगिता भी कल से आयोजित की जा रही है जिसमें सभी संयोजकों ने काफी उत्साह दिखाया है। प्रतियोगिताओं के आयोजन में अविनाश मिश्रा, लीला पाठक, अनुराधा मिश्रा, दीपक कपूर, अखिलेश गुप्ता, रवि किशोर गुप्ता, रज्जन सिंह, इला द्विवेदी, आयुषी अस्थाना, साक्षी वर्मा, निधि शुक्ला, अपूर्वा अवस्थी, चेतना शुक्ला, हरप्रीत कौर एडवोकेट, पलक शर्मा, स्मृति पांडेय, शोभना सिंह, शिवानी मिश्रा, नवल किशोर, अश्वनी गुप्ता आशु, अभय शाह व महेंद्र श्रीवास्तव का सहयोग है।

विशेष संचारी रोग की वर्चुअल बैठक सम्पन्न

व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक करेंगे शिक्षक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। बावन में विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान हेतु प्रस्तावित गतिविधियों के संवेदीकरण हेतु विकास खंड के समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व नोडल शिक्षको के साथ वर्चुअल बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें शिक्षकों को संचारी रोग व दस्तक अभियान की विधिवत जानकारी दी गयी। खंड शिक्षा अधिकारी इंद्र प्रताप सिंह ने कहा ,सभी विद्यालय के ई लर्निंग के व्हाट्सएप ग्रुप बने हैं, उसी पर बच्चों को कोविड 19, संचारी रोग के विषय मे जागरूक करें। प्रबंधसमिति की बैठक के माध्यम से जागरूक करें। ब्लॉक नोडल अभिषेक गुप्ता ने दिमागी बुखार (एक्यूट अनसेफ्लाटिस सिंड्रोम एईएस) के लक्षण और उसके उपचार व सावधानी के विषय मे विस्तार से बताया। वर्चुअल बैठक में बताया गया कि दिमागी बुखार एक ऐसी घातक बीमारी है, जिसमे मृत्यु भी हो सकती है, या इलाज के बाद ठीक होने पर भी बहुत सारे रोगियों में दिमागी या शारीरिक विकलांगता आ जाती है। सभी शिक्षक ग्रामवासियों को जागरूक करें तथा उन्हें बताएं कि पानी एक जगह जमा न रहे, जिससे मलेरिया की संभावना बढ़ जाती हैं। लगातार बुखार रहने पर किसी झोला छाप डॉक्टर से इलाज न कराकर प्रशिक्षित डॉक्टर को दिखाये व जांच कराएं।

जिले के उपभोक्ताओं को मिलेगी निर्बाध बिजली : श्रीकांत शर्मा

बोले बढ़ाई जा रहीं है बिजली विभाग की क्षमताएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

सीतापुर। जिले के सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली दी जाएगी। बिजली सप्लाई में कहीं कोई बाधा न आने पाए, इसको लेकर बिजली विभाग की क्षमताएं बढाई जा रही है। इसी क्रम में कौरासा गांव में इस नए पावर हाउस का निर्माण किया जा रहा है। यह बात बुधवार को प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने बिसवां तहसील क्षेत्र के ग्राम कौरासा में कही। वे यहां पर 220 केवीए के पावर हाउस का शिलान्यास करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों को एक समान बिजली दी जाएगी, किसी भी जिले को वीआइपी का दर्जा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार में प्रदेश के चार जिलों को वीआइपी का दर्जा देकर केवल वहीं पर ही अधिक समय तक बिजली आपूर्ति की जाती थी, जबकि अन्य जिले बिजली को तरसते थे। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा सरकार आई, तब से सभी जिलों को एक समान बिजली मिल रही है। शहरी क्षेत्र को 24 घंटे, तहसील क्षेत्र को 20 घंटे और ग्रामीण क्षेत्र को 18 घंटे बिजली दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिजली सभी को मिले और बिजली सप्लाई में किसी भी तरह की कोई दिक्कत न आने पाए। इसको लेकर संसाधनों को बढ़ा रही है। इसी क्रम में कौरासा गांव में 174 करोड़ रुपये की लागत से 220 केवीए पावर हाउस का शिनान्यास किया जा रहा है। यह पावर हाउस जिला मुख्यालय पर मौजूद पावर हाउस के बराबर है। इससे बिसवां, सिधौली व महमूदाबाद इलाके में पर्याप्त बिजली मिल सकेगी। इतना ही नहीं यदि एक पावर हाउस मे कोई खराबी आएगी, तब यह दूसरा पावर हाउस बहुत काम आएगा। उन्होंने कहा कि सीतापुर के ग्रामीण आंचलों तक बिजली पहुंचाने का काम जारी है। सीतापुर जिले में करीब 636 मजरे ऐसे थे, जो आजादी के बाद से अब तक बिजली को तरस रहे थे। भाजपा सरकार ने उन गांवों में बिजली पहुंचाने का काम किया है। आज सीतापुर जिले के 840 गांवों के 1121 मजरों को बिजली से लैस किय गया है। भाजपा की प्रमुखता में सस्ती बिजली, निर्बाध बिजली और सभी को बिजली का संकल्प है। उस पर पूरी तरह से अमल किया जा रहा है। इस दौरान ऊर्जामंत्री ने कहा कि ये सुविधाएं और बढ़ सकें, इसके जिए उपभोक्ता समय से बिजली का भुगतान करते रहें। ऊर्जा मंत्री ने मौके पर मौजूद बिजली विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया कि सभी उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली की सप्लाई दी जाए। कहीं भी ट्रांसफार्मर व बिजली के तार खराब होने उन्हें तत्काल बदला जाए। ताकि उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने मंत्रोच्चारण के बीच हवन पूजन के साथ कौरासा गांव में पावर हाउस का शिलान्यास किया। वहीं 33 केवीए के कसरैला व काजी कमालपुर उपकेंद्रों का भी बटन दाबकर शिलान्यास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर बिसवां विधायक महेंद्र सिंह यादव, हरगांव विधायक सुरेश राही, बिजली विभाग के एमडी सूर्यपाल गंगवार, भाजपा के जिला महामंत्री विश्राम सागर राठौर, राकेश त्रिपाठी, रमेश भार्गव, रोहित सिंह आदि मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी के कार्यालय पर बैठक का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। आम आदमी पार्टी के कार्यालय पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रदेश सचिव प्रेम प्रकाश वर्मा ने की।विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवदत्त कोरी मौजूद रहे। प्रदेश सचिव प्रेम प्रकाश वर्मा ने बताया कि आज की बैठक में गोपामऊ विधानसभा के कार्यकर्ताओं को सेक्टर प्रभारियों की जिम्मेदारी सौंपी गई।15 से 20 सेक्टर प्रभारियों के नाम की सूची जल्द ही मीडिया के माध्यम से प्रकाशित की जाएगी। प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य देवदत्त कोरी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियों को पूरे विधान सभाओं को पहुंचाना है जिससे उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बन सके।आप पार्टी कार्यालय पर दर्जनों कार्यकर्ताओं को सदस्यता भी दिलाई गई जिसमें बाल किशोर ,द्वारिका प्रसाद ,राम रतन, फूलचंद ,मुनेश्वर दयाल, सिद्धनाथ,रामचंद्र, धीरज, रेहाना बानो,मैना देवी, पंछी देवी, मुन्नी देवी को भी सदस्यता दिलाई गई।

बाढ़ व कटान की समस्या लेकर जलशक्ति मंत्री से मिले विधायक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रेउसा/सीतापुर। बाढ़ समस्या के समाधान को लेकर बुधवार को सेवता विधायक ज्ञान तिवारी प्रदेश के जल शक्ति मंत्री डॉक्टर महेंद्र सिंह से मिले। इस दौरान विधायक ने मंत्री को अपने क्षेत्र में बाढ़ की विभीषिका से अवगत कराया। विधायक ने मंत्री को बताया इस वर्ष मानसून और बाढ़ पहले आ गई है। जिस कारण बाढ़ कार्यो में अवरोध उत्पन्न हो रहा है।विधायक ने कहा कि हमारे क्षेत्र में नदी बहुत तेज कटान कर रही है। विधायक ने मंत्री को बताया बिसवा तहसील के कमरिया शेखुपुर गांव शारदा नदी के किनारे बसा है। यहां निरन्तर कटान से गांव का अस्तित्व नष्ट होने की कगार पर पहुंच गया है। गांव के अस्तित्व को बचाने के लिए नदी की धारा को मोड़ना अति आवश्यक है। जिससे घरों व जमीनों को बचाया जा सके। विधायक ने बताया कमरिया शेखूपुर गांव के पास अज्जेपुर झील है। यदि नदी का पानी इस झील में गया तो एक दर्जन गांव में संकट उत्पन्न हो जाएगा। जिसे संभालना मुश्किल होगा। विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा जनता की सुरक्षा करना शासन की प्राथमिकता में शामिल है। इसमें कोई लापरवाही न हो यहां तत्काल 800 मीटर ड्रेजिंग कराए जाने की तत्काल आवश्यकता है। जिससे बाढ़ विभीषिका से गांव को बचाया जा सके। विधायक ने मंत्री को ड्रोन द्वारा लिए गए फोटो भी दिखाएं। इस दौरान विधायक ने अपने ब्लॉक रेउसा ,रामपुर मथुरा मथुरा में आने वाली बाढ़ की अन्य समस्याओं पर विस्तृत चर्चा मंत्री से की व उन्हें एक मांग पत्र भी सौंपा मंत्री ने तत्काल ड्रेजिंग कराए जाने के निर्देश दिए। वहीं अन्य समस्याओं के समाधान की बात विधायक से कही।

पुलकित बने भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रांत मंत्री

सीतापुर, चर्चित संवाद। आरएसएस के सहयोगी संगठन भारत तिब्बत सहयोग मंच द्वारा पुलकित शर्मा को प्रांत मंत्री और जिला सीतापुर का पालक मनोनीत किया गया है। ज्ञात हो भारत तिब्बत सहयोग मंच जिसके राष्ट्रीय संरक्षक वरिष्ठ स्वयंसेवक इंद्रेश कुमार हैं।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड ने मनाया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड द्वारा यूथ कार्यालय बिलग्राम चुंगी हरदोई पर जरूरतमंदों को राशन सामग्री का वितरण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष के दीर्घायु की कामना की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष नीरज अवस्थी ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव जरूरतमंदों की मदद में आगे रही है। कोरोना काल मे भी पार्टी के पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़कर हर तरीके से सहयोग किया है। कल राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के जन्मदिन के अवसर पर भी यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारी केक काटकर व फल वितरण कर जन्मदिन मनाएंगे। आज राशन वितरण के कार्यक्रम के मौके पर महासचिव शराफत अली,उपाध्यक्ष आकाश सिंह ककवाही, संजेश यादव, गिरिजाशंकर पाल, रजत अवस्थी,रवि चतुर्वेदी, मुन्नेद्र यादव,सर्वेंद यादव, मोहित शुक्ला,रजनीश प्रजापति आदि लोग उपस्थित रहे।

सपा नेता मुकुल सिंह की अगुवाई में सपाइयों ने किया पौधारोपण

हरदोई, चर्चित संवाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 48 वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर सपा नेता मुकुल सिंह आशा के नेतृत्व में ग्राम आशा में समाजवादी लोगों ने पौधारोपण किया।सपा नेता मुकुल सिंह ने बताया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बृहस्पतिवार को जन्म दिवस है उनके जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर हम सब समाजवादियों ने पौधारोपण कर उनकी दीर्घायु की कामना की। सपा नेता ने कहा कि अखिलेश यादव ने हमेशा पर्यावरण संरक्षण पर ज़ोर दिया है हम समाजवादी लोग अगले साल 2022 के जन्मदिवस से पहले उनको उत्तर प्रदेश की गद्दी पर बैठालने का कार्य करेंगे। इस मौक़े पर यूथ ब्रिगेड के पूर्व ज़िलाध्यक्ष रामज्ञान गुप्ता, ब्लाक अध्यक्ष बावन अनिलेश सिंह, अवनीश पांडेय, अंकित सिंह, पुनीत सिंह, अनिल यादव, प्रदीप यादव, पंकज सिंह, बब्बन सिंह, राजेंद्र कुमार, रामशंकर, कमल सिंह, ललित दीक्षित आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने बुधवार को तोक्यो ओलंपिक में आधिकारिक रूप से जगह बनाई जब खेल की वैश्विक संचालन संस्था फिना ने रोम में सेटे कोली ट्रॉफी में पुरुष 100 मीटरबैकस्ट्रोक स्पर्धा में उनके 'ए' क्वालीफिकेशन स्तर को स्वीकृति दी। भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) ने ट्वीट किया, ''श्रीहरि नटराज के सेटे कोली ट्रॉफी में टाइम ट्रायल के दौरान 53.77 सेकेंड के ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय को फिना ने स्वीकृति दे दी है। एसएफआई ने उनका प्रतिनिधित्व फिना के पास भेजा था। श्रीहरि तोक्यो में 'ए' क्वालीफिकेशन प्रवेश के रूप में भारत के साजन प्रकाश से जुड़ेंगे। '' नटराज ने रविवार को राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के साथ ही तोक्यो खेलों का 'ए' क्वालीफिकेशन स्तर हासिल किया जो 53.85 सेकेंड है। टाइम ट्रायल में तैराकों को अन्य प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धा का मौका नहीं मिलता लेकिन वे अपने समय में सुधार कर सकते हैं। बेंगलुरू के इस तैराक को आयोजकों ने ओलंपिक क्वालीफिकेशन के अंतिम दिन टाइम ट्रायल में हिस्सा लेने की स्वीकृति दी थी। तोक्यो ओलंपिक में पहली बार दो भारतीय तैराकों को सीधे क्वालीफिकेशन के जरिए ओलंपिक खेलों में प्रवेश मिलेगा। साजन प्रकाश इसी प्रतियोगिता की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में ओलंपिक 'ए' स्तर हासिल करने वाले अब तक के पहले भारतीय तैराक बने थे। साजन ने 2010 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता वीरधवल खाड़े के एक मिनट 49.86 सेकेंड के पिछले प्रदर्शन में सुधार किया था। नटराज पहली बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे जबकि साजन दूसरी बार खेलों के महाकुंभ में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। साजन रियो ओलंपिक 2016 में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

भारत के लिए खेलने का सपना छोड़ने की कगार पर था: हार्दिक सिंह

बेंगलुरू,एजेंसी। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने भारत के लिए खेलने का सपना लगभग छोड़ ही दिया था और डच लीग में क्लब करियर बनाने की योजना बना रहे थे लेकिन उनके रिश्तेदार पूर्व ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह ने उन्हें प्रेरित किया। हार्दिक ने कहा कि वे ऐसे परिवार से आते हैं जिसके खून में हॉकी है लेकिन शीर्ष स्तर पर सीमित मौकों से उन्हें हताशा होने लगी थी। जुगराज अपने समय के दिग्गज ड्रैग फ्लिकर रहे हैं। पंजाब के जालंधर के समीप खुसरोपुर गांव के रहने वाले 22 साल के हार्दिक ने कहा कि उनका सफर टीम के अपने साथियों से अलग रहा है। हार्दिक ने कहा, ''मैं भाग्यशाली हूं कि ऐसे परिवार का हिस्सा था जिसके डीएनए में हॉकी है। मैं भाग्यशाली था कि इतने सारे हॉकी खिलाड़ियों के बीच था, मुझे घर के सभी लोगों से सलाह मिलती थी और मेरे परिवार का मेरे करियर पर गहरा असर रहा।'' उन्होंने कहा, ''14 साल की उम्र में मैं आगे की ट्रेनिंग के लिए मोहाली हॉकी अकादमी चला गया और वहां काफी जल्दी प्रगति की।''हार्दिक ने कहा, ''मैंने सब जूनियर वर्ग में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया लेकिन शीर्ष स्तर पर मौके कभी नहीं मिले। 2017 में मैं भारत के लिए खेलने का अपना सपना छोड़ने के कगार पर था और क्लब हॉकी खेलने के लिए नीदरलैंड जाने का फैसला लगभग कर ही लिया था।''उन्होंने कहा, ''जुगराज सिंह ने मुझे बैठकर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा। जुगराज पाजी का मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव रहा। उन्होंने मेरे जीवन के प्रत्येक हिस्से में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई और अब भी ऐसा कर रहे हैं।''हार्दिक ने कहा, ''उनके सुझाव के बाद मैंने और अधिक कड़ी मेहनत की और पसीना बहाया। और अंततरू मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा मिला जब मुंबई में घरेलू टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद मुझे 2018 एशियाई चौंपियन्स ट्रॉफी के कोर संभावित खिलाड़ियों में चुना गया।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद 2018 विश्व कप हुआ जो सोने पर सुहागा था।''हार्दिक ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम में विभिन्न स्थानों को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है और वह आगामी तोक्यो खेलों में छाप छोड़ने को प्रतिबद्ध हैं।

बांग्लादेश के क्रिकेटरों की गलत व्यवहार के कारण मोनिरुज्जमां ने छोड़ी अंपायरिंग

नई दिल्ली,एजेंसी। ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) में बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन और महमुदुल्लाह के साथ हुए बुरे बर्ताव के बाद अंपायर मोनिरुज्जमां ने अंपायरिंग छोड़ने का फैसला किया है। मोनिरुज्जमां मौजूदा समय में बांग्लादेश के आईसीसी इमर्जिंग पैनल में शामिल हैं और ऐसा माना जा रहा है कि वे एलीट प्रोग्राम बनाने की ओर अग्रसर हैं। लेकिन अब उन्होंने इन खिलाड़ियों द्वारा उनके साथ किए गए बुरे बर्ताव के बाद अपना पद छोड़ने का फैसला किया है। मोनिरुज्जमां ने कहा है कि अब वह और अंपायरिंग नहीं करना चाहते हैं। ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने डीपीएल में एक मैच के दौरान अंपायर इमरान परवेज द्वारा उनके अपील को ठुकरा देने के बाद तीनों स्टंप्स को उखाड़कर उसे जोर से जमीन पर पटक दिया था और साथ उन्होंने लात मारकर स्टंप्स को तोड़ भी दिया था। शाकिब की इस हरकत के लिए उसे तीन मैचों के सस्पेंड कर दिया गया था और साथ ही उन पर पांच लाख टका का जुर्माना लगाया गया था। इसी टूर्नामेंट में अंपायर के फैसले पर असह?मति जताने पर महमुदुल्लाह पर 20000 टका का जुर्माना लगाया गया था। अपील ठुकराने के बाद महमूदुल्लाह ने अपना आपा खो दिया था।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे एडिशन के लिए आईसीसी ने किया ये बड़ा बदवाल

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दूसरे एडिशन के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।अब डब्ल्यूटीसी के दौरान प्रत्येक मैच जीतने पर 12 प्वॉइंट मिलेंगे। डब्ल्यूटीसी के दूसरे एडिश की शुरुआत भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ होगी। मुकाबला टाई होने पर दोनों टीमों को छह जबकि ड्रॉ होने की स्थिति में चार-चार प्वॉइंट मिलेंगे। आईसीसी के अंतरिम सीईओ ज्यौफ अलार्डिस ने इसी महीने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि प्वॉइंट प्रणाली में बदलाव किया जाएगा। आईसीसी बोर्ड के सदस्य ने पीटीआई को बताया, पहले प्रत्येक सीरीज के समान 120 प्वॉइंट होते थे, फिर चाहे यह दो टेस्ट की सीरीज हो या पांच टेस्ट की। अगले एडिशन में प्रत्येक मैच के अधिकतम 12 प्वॉइंट होंगे। टीमों ने मैच खेलकर जो प्वॉइंट हासिल किए हैं, उनके प्रतिशत अंकों के आधार पर टीमों की रैंकिंग तय होगी। आगामी हफ्तों में आईसीसी के मुख्य कार्यकारियों की समिति बैठक में प्वॉइंट प्रणाली में बदलाव को स्वीकृति दी जानी है।बोर्ड के सदस्य ने कहा, लक्ष्य यह है कि प्वॉइंट प्रणाली को सरल बनाने का प्रयास किया जाए और किसी भी समस्य तालिका में टीमों की सार्थक तुलना की जा सके, फिर भले ही उन्होंने अलग संख्या में मैच और सीरीज क्यों नहीं खेली हो। जून 2023 में खत्म होने वाले दूसरे एडिशन में भारत-इंग्लैंड सीरीज के अलावा इस साल होने वाली एशेज सीरीज ही पांच मैचों की एकमात्र सीरीज होगी। अगले साल आस्ट्रेलिया का भारत दौरा आगामी एडिशन में चार टेस्ट की एकमात्र सीरीज होगी। सभी नौ टीमों में से प्रत्येक टीम कुल छह सीरीज खेलेंगी जिसमें से तीन स्वदेश और तीन विरोधी के मैदान पर होंगी जैसा कि पिछले सीजन में भी हुआ। डब्ल्यूटीसी के पहले एडिशन के फाइनल में न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर खिताब जीता। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार दूसरे एडिशन में इंग्लैंड की टीम सर्वाधिक 21 टेस्ट खेलेगी जबकि उसके बाद भारत (19), आस्ट्रेलिया (18) और दक्षिण अफ्रीका (15) का नंबर आता है। न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और श्रीलंका की टीमें 13 जबकि पाकिस्तान 14 टेस्ट खेलेगा।

जर्मनी को हराकर इंग्लैंड यूरो क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

लंदन। रहीम स्टर्लिंग और कप्तान हैरी केन के दूसरे हाफ में दागे गोलों की बदौलत इंग्लैंड ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप में जर्मनी को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम 16 के मुकाबले में वेम्बले स्टेडियम में इंग्लैंड की ओर से स्टर्लिंग ने 75वें मिनट और केन ने 86वें मिनट में गोल दागा। केन का यूरो में यह पहला गोल है जिससे विश्व कप 2018 के गोल्डन बूट विजेता के ऊपर से दबाव कुछ कम हुआ होगा। यह मैच टीम के कोच गैरेथ साउथगेट के लिए काफी भावनात्मक रहा। 25 साल पहले ओल्ड वेम्बले स्टेडियम में साउथगेट पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए थे जिससे इंग्लैंड की टीम यूरो 1996 के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही थी। उस मुकाबले में इंग्लैंड के गोलकीपर की भूमिका निभा रहे डेविड सीमैन भी मंगलवार को दर्शकों के बीच मौजूद थे। वेम्बले स्टेडियम में प्रिंस विलियम, उनकी पत्नी केट और सात साल का बेटा जॉर्ज भी प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला देखने पहुंचे थे। पूर्व कप्तान डेविड बैकहम और एड शीरन भी दर्शकों के बीच वीआईपी स्टैंड में मौजूद थे। क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड का सामना युक्रेन से होगा।

एनआरएआई ने खेल रत्न के लिये अंजुम मोदगिल और अंकुर मित्तल के नाम की सिफारिश की

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिये बुधवार को डबल ट्रैप विश्व चैम्पियन अंकुर मित्तल और ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी अंजुम मोदगिल के नाम की सिफारिश की। मित्तल ने 2018 में डबल ट्रैप विश्व खिताब जीता था और इसी वर्ष उन्हें अर्जुन पुरस्कार मिला था। अंजुम 2018 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीत चुकी हैं और उन्हें 2019 में अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। एनआरएआई ने बयान में कहा, ''पिछले साल भी दोनों के नाम की सिफारिश इसी वर्ग में की गयी थी।'' अर्जुन पुरस्कार के लिये एनआरएआई ने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाले दो निशानेबाजों इलावेनिल वलारिवान और अभिषेक वर्मा के नाम की सिफारिश की है। इलावेनिल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में दुनिया की नंबर एक निशानेबाज हैं और अभिषेक पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। राष्ट्रीय सम्मान के लिये 50 मीटर पिस्टल विश्व चैम्पियन ओम प्रकाश मिठरवाल भी दौड़ में हैं। एनआरएआई ने इस साल द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिये किसी के नाम की सिफारिश नहीं की है।

काइल जैमिसन ने विराट कोहली को आईपीएल में ड्यूक बॉल से गेंदबाजी करने से मना करने की खबर पर तोड़ी चुप्पी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में विराट कोहली को दोनों बार आउट करने वाले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमिसन ने आईपीएल में विराट कोहली को ड्यूक बॉल से गेंदबाजी करने से इनकार करने की खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर डैन क्रिश्चियन ने अपनी तरफ से इसमें कुछ बातें जोड़ी हैं। कीवी तेज गेंदबाज जैमिसन ने साफ किया कि विराट ने उनसे ऐसा कुछ नहीं कहा था। डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से मात मिली थी। जैमिसन ने स्पोर्ट्स वेबसाइट से कहा नहीं वह(विराट कोहली) इतना नहीं पूछ रहा था। मेरे हिसाब से डैन क्रिस्चियन ने एक अच्छी स्टोरी बनाने के लिए इसमें अपनी तरफ से कुछ बातें जोड़ी हैं। आईपीएल की शुरुआत में हम आने वाले इंग्लैंड दौरे के बारे में बात कर रहे थे। इस दौरान मैंने कहा कि मेरे पास ड्यूक बॉल है और विराट कोहली के पास भी कुछ ड्यूक बॉल थे। उन्होंने आगे बताया कि विराट कोहली ने मुझसे सिर्फ इतना कहा कि अगर हम ट्रेनिंग करना चाहें तो कर सकते हैं। लेकिन इस तरह से कोई बात नहीं थी कि मुझे उन्हें गेंदबाजी करनी थी। लेकिन जाहिर तौर पर ये काफी मजेदार कहानी है जो सामने आई है। काइल जैमिसन ने डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच में सात विकेट लिए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। जैमिसन ने पहली पारी में भारत के पांच खिलाड़ियों को आउट किया। हाल ही में काइल जैमिसन ने बताया था कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में आखिरी के कुछ घंटे इतने मुश्किल थे कि मैच के दबाव और शोर से बचने के लिए उन्हें बाथरूम में छिप जाना पड़ा।

घाटे में चल रही यह कंपनी अपने निवेशकों को कर रही मालामाल, इसके शेयर 8 महीने में 1,500 प्रतिशत से ज्यादा उछले

चर्चित राजनीति। एजेंसी

मुंबई। पिछले आठ महीनों में तिमाही घाटे और बढ़ते कर्ज के बावजूद टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र लिमिटेड के शेयरों ने अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया। पिछले आठ महीनों में इसके स्टॉक्स में लगभग 1,500 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, क्योंकि कंपनी की तरक्की की संभावनाएं प्रबल हैं। TTML का शेयर 16 अक्टूबर 2020 के 2.75 रुपये प्रति शेयर से आज यानी 30 जून को 44.60 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर चढ़ गया। यानी इसमें 1521त्न की वृद्धि हुई। स्टॉक ने 25 मई 2021 से लगातार 27 सत्रों के लिए ऊपरी सर्किट को मारा है और इस अवधि के दौरान यह 261त्न से अधिक बढ़ गया है। साल दर साल इसमें 461त्न की वृद्धि हुई है। बता दें वित्तीय वर्ष 2021 तक फर्म पर कुल रू. 17,774.47 करोड़ का कर्ज था। 25 मई को श्वञ्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नामक एक नए अवतार में पुनर्जीवित कर रही है, जो छोटे और मध्यम उद्यमों को पूरा करेगी। टीटीबीएस ने स्मार्टफ्लो लॉन्च किया है, जो एक क्लाउड-होस्टेड संचार प्लेटफॉर्म है, जो एसएमई को लक्षित करता है, जिसमें एक हाइब्रिड कार्य संस्कृति है, जहां लोग घर और दूरस्थ स्थानों से काम करते हैं। स्मार्टफ्लो को मोबाइल फोन और डेस्कटॉप के जरिए एक्सेस किया जा सकता है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट बताती है कि टाटा समूह अपने सुपर ऐप के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और उद्यम समाधान लेकर टाटा टेलीसर्विसेज को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहा है। ऐप के इस साल दिसंबर तक लॉन्च होने की संभावना है, जिससे टाटा समूह के सभी उत्पादों और सेवाओं को एक मंच पर लाने और उपभोक्ताओं को सीधे बिक्री करने में सक्षम होने की उम्मीद है। 2020 में टाटा संस ने टाटा टेली में अपने रू. 28,600 करोड़ के निवेश को बट्टे खाते में डाल दिया था। इसका उपभोक्ता मोबाइल ऑपरेशन जुलाई 2019 में भारती एयरटेल को हस्तांतरित कर दिया गया। केयर रेटिंग ने कहा कि उसके प्रमोटर टाटा संस के निरंतर समर्थन से संकेत मिलता है कि वह आगामी 12 महीनों के लिए लकक्विडिटी में किसी भी कमी को व्यवस्थित करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करेगी। जून 2019 तक, टाटा संस ने TTML और उसके सहयोगी टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड में लगभग 46,595.05 करोड़ का निवेश किया था।

मजबूत हाजिर मांग से निकेल वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की बढ़ती मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को निकेल वायदा भाव 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,381.90 रुपये प्रति किलो हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जुलाई माह में डिलीवरी होने वाले निकेल अनुबंध का भाव 10.20 रुपये यानी 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,381.90 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 2,154 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की मांग बढ़ने के कारण मुख्यतः निकेल वायदा कीमतों में लाभ दर्ज हुआ।

एनबीसीसी को चौथी तिमाही में 83 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली,एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की निर्माण कंपनी एनबीसीसी ने बुधवार को बताया कि 31 मार्च 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान उसका समेकित शुद्ध लाभ 83.30 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले की समान अवधि में उसका शुद्ध लाभ 83.77 करोड़ रुपये था। एनबीसीसी ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,706.80 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 2,651.43 करोड़ रुपये थी। एनबीसीसी ने बीते वित्त वर्ष में 236.24 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया, जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 99.86 करोड़ रुपये था। इस दौरान उसकी कुल आय 8,292.99 करोड़ रुपये से घटकर 7,012.35 करोड़ रुपये रह गई।

बड़ा झटका : अमूल का दूध 1 जुलाई से 2 रुपये प्रति लीटर महंगा मिलेगा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

अहमदाबाद। दूध की कीमतों के साथ ही आम आदमी के बजट पर एक और झटका लगा है। पहले ही कोरोना काल में कई चीजें महंगी हो चुकी हैं। गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने बुधवार को कहा कि अमूल दूध की कीमतों में 1 जुलाई से सभी ब्रांडों के लिए दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जाएगी। क़ीमतों में बढ़ोतरी से अहमदाबाद में अमूल गोल्ड, ताज़ा, शक्ति और गाय दूध के आधा लीटर पाउच का मूल्य क्रमशः 29, 23, 26 और 24 रुपये हो जाएगा। बता दें अमूल ने इससे पहले वर्ष 2019 की अंतिम तिमाही में अपनी क़ीमतें बढाई थीं। अमूल ब्रांड नाम के तहत दूध और डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाले जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक आर एस सोढ़ी ने कहा कि लगभग एक साल और सात महीने के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की जा रही है, जो उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण जरूरी हो गई थी। उन्होंने कहा, अमूल दूध की कीमतों में कल से पूरे भारत में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की जाएगी। नई कीमतें सभी अमूल दूध ब्रांडों जैसे सोना, ताजा, शक्ति, टी-स्पेशल, साथ ही गाय और भैंस के दूध पर भी लागू होंगी। सोढ़ी ने कहा कि खाद्य महंगाई बढ़ने के कारण दूध की कीमतों में बढ़ोतरी जरूरी हो गई थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पैकेजिंग की लागत में 30 से 40 प्रतिशत, परिवहन लागत में 30 प्रतिशत और ऊर्जा लागत में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसके चलते उत्पादन लागत बढ़ गई है। बता दें दूध की कीमतों में इस बढ़ोतरी से दूसरे न केवल दूसरे ब्रांड भी दाम बढ़ाएंगे बल्कि डेयरी प्रॉडक्ट्स के दाम में भी इजाफा होगा। पनीर, मक्खन, घी, चीज, लस्सी, आइसक्रीम और छाछ के अलावा चाय, कॉफी, मिठाइयां और चॉकलेट के दामों में भी इजाफा हो सकता है।

सुबह की बढ़त गंवाकर लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार आज सुबह की बढ़त गंवाकर लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 66.95 अंकों के नुकसान के साथ 52,482.71 के स्तर पर तो निफ्टी 26.95 (-0.17 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 15,721.50 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में इन्फोसिस टॉप गेनर रहा। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, टाइटन, टीसीएस भी बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार की शुरुआत बुधवार को मजबूती के साथ हुई। बीएसई का 30 स्टॉक्स वाला प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स आज यानी बुधवार को 101.43 अंकों की बढ़त के साथ 52,651.09 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने भी हरे निशान के साथ आज के दिन के कारोबार की शुरुआत की। निवेशकों की मुनाफावसूली के बीच आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट से मंगलवार को सेंसेक्स 186 अंक टूट गया। सेंसेक्स 185.93 अंकों के नुकसान से 52,549.66 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 66.25 अंक टूटकर 15,748.45 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक बैंक का शेयर सबसे ज्यादा एक प्रतिशत से अधिक टूट गया। आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज ऑटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई तथा एक्सिस बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, डॉ. रेड्डीज तथा नेस्ले इंडिया के शेयर लाभ में रहे।

दो महीने में देश में पेट्रोल नौ प्रतिशत और डीजल 10 प्रतिशत से अधिक हुआ महँगा

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण पिछले दो महीने में देश में पेट्रोल नौ प्रतिशत और डीजल 10 प्रतिशत से अधिक महँगा हुआ है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून में पेट्रोल का मूल्य 4.58 रुपये और डीजल की कीमत 4.03 रुपये बढ़ चुकी है। इससे पहले मई में भी पेट्रोल 3.83 रुपये और डीजल 4.42 रुपये महँगा हुआ था। इस प्रकार दो महीने में पेट्रोल 8.41 रुपये (9.30 प्रतिशत) और डीजल 8.45 रुपये (10.47 प्रतिशत) महँगा हो चुका है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का मौजूदा क्रम 04 मई से शुरू हुआ था। इससे पहले मार्च और अप्रैल में दोनों ईंधनों के मूल्यों में मामूली कटौती की गई थी। मई में 16 दिन कीमतें बढ़ाई गई थीं जबकि शेष 15 दिन कोई बदलाव नहीं हुआ था। जून में भी 16 दिन दाम बढ़े हैं जबकि शेष 14 दिन स्थिर रहे हैं। कीमतों में वृद्धि की मुख्य वजह अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी है। कच्चे तेल का मानक माने जाने वाले लंदन के ब्रेंट क्रूड वायदा की कीमत 30 अप्रैल को 67.66 डॉलर प्रति बैरल थी जो इस समय बढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुँच चुकी है। देश में पेट्रोल-डीजल की ऊँची कीमत में आधे से भी अधिक हिस्सा इन पर लगने वाले भारी-भरकम कर से बनता है। केंद्र तथा राज्य सरकारों की कमाई का बहुत बड़ा जरिया पेट्रोलियम उत्पादों पर करों और शुल्क हैं। इसी कारण पेट्रोलियम उत्पादों को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से बाहर रखा गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 16 जून के उपलब्ध अंतिम आँकड़ों के अनुसार, पेट्रोल का मूल्य 96.66 रुपये प्रति लीटर था। इसमें इंडियन ऑयल की रिफाइनरी से निकलने वाले पेट्रोल की कीमत 37.29 रुपये थी। औसतन 36 पैसे की परिवहन लागत के साथ पेट्रोल पंप मालिकों को पेट्रोल 37.65 रुपये प्रति लीटर मिला।

सिक्किम आकर देखिये यहाँ की प्राकृतिक खूबसूरती के दीवाने हो जाएँगे

सिक्किम में आने पर आपको लामाओं की तीन पीढ़ियां बाल, युवा और बुजुर्ग को एक साथ देखने और मिलने का अवसर प्राप्त होगा। इन लामाओं के बारे में सर्वविदित है कि इनका जीवन कठोर परन्तु संयत और अनुशासनबद्ध होता है।

सवा चार लाख की आबादी वाले राज्य में 70 से ज्यादा बौद्ध मठ? चौंकिए नहीं यह तथ्य बिल्कुल सही हैं। हम बात कर रहे हैं भारत के पूर्वोत्तर में स्थित सिक्किम राज्य की। इस राज्य के बारे में एक और तथ्य भी है कि शायद यही एकमात्र राज्य ऐसा बचा है जहां कि संपूर्ण बौद्ध धर्म, कला, संस्कृति तथा सभ्यता को संभालकर रखा गया है। सिक्किम में स्थित सभी मठ ऐतिहासिक और प्राचीन महत्व के हैं। यहां पर आने वाले हर आगंतुक के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से भी ज्यादा बौद्धमठ महत्वपूर्ण होते हैं। पेमयांग्तसे, ताशिदिंग, रूमटेक, फोडांग, दॉ-दरूल, ऐन्चे, रालांग तथा फेन्सांग जैसे मठ ज्यादा लोकप्रिय हैं जिनमें कि विभिन्न देवताओं तथा मूर्तियों व चित्रकारी के दर्शन होते हैं। नमिंग्म्पा संप्रदाय से संबद्ध पेमयांग्से मठ प्रमुख होने के साथ ही सर्वाधिक लोकप्रिय मठ भी है। साढ़े तीन सौ वर्ष पुराना यह मठ लगभग छह हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है। सिक्किम के प्रथम नरेश चोग्याल फुंतसोग नामग्याल के काल में स्थापित इस मठ में अतीत में सिर्फ अग्रणी जाति के लोगों को ही दर्शन करने की इजाजत थी। लेकिन आज किसी भी प्रकार की कोई बंदिश नहीं है, कोई भी सैलानी इस मठ के दर्शन कर सकता है। राजधानी से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रूमटेक मठ अराधना का स्थल होने के साथ ही बौद्ध धर्म शिक्षा का प्रमुख केन्द्र भी है। यहां की परंपरागत शैली में बना यह विशाल मठ कारग्यद संप्रदाय से संबद्ध है। आवासीय घरों के बीच बना यह रूमटेक मठ दूर से नेकलेस में चमचमाते मोतियों-सा आभास देता है। जैसे ही आप मठ के पास पहुंचेंगे तो आपको हवा में फहराते रंग-बिरंगे झंडे आपका स्वागत करते हुए लगेंगे। यहां आने पर आपको लामाओं की तीन पीढ़ियां बाल, युवा और बुजुर्ग को एक साथ देखने और मिलने का अवसर प्राप्त होगा। इन लामाओं के बारे में सर्वविदित है कि इनका जीवन कठोर परन्तु संयत और अनुशासनबद्ध होता है। यहां दो मठ दा-दारूल, और ऐन्चे मठ तो विशेष रूप से दर्शनीय हैं। 45 साल पुराना यह मठ अपनी दिलकश वास्तुकला के कारण आपके दिल को तो मोहता ही है साथ ही सफेद रंग का यह मठ आकाश से बातें करता हुआ भी दिखाई देता है। त्यौहारों के दिनों में खासकर, अक्टूबर से दिसम्बर तक के महीनों में इन मठों में सैलानियों और श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा सकती है। इन दिनों में ताशिदिंग, रूमटेक और ऐन्चे मठों में लामा लोग बाघ, शेर और अन्य जंगली जानवरों के मुखौटे लगा कर और खास प्रकार की पोशाकें पहन कर नृत्य करते हैं। बौद्ध धर्म में विशेष स्थान प्राप्त सिलिंडरनुमा प्रार्थना चक्र को स्थानीय भाषा में मणि-ल्हाकोर कहा जाता है। इस 108 चक्र में हर चक्र पर धार्मिक सूक्तियां और मंत्रादि लिखे रहते हैं। सैलानी बड़ी श्रद्धा के साथ इन्हें घुमाते हैं क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि इन प्रार्थना चक्रों को घुमाने से बौद्धिसत्व की प्राप्ति होती है। वैसे तो भारत में विलय के बाद सिक्किम ने तेजी के साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाये, लेकिन यहां यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में भी सिक्किम ने अपनी पुरातन पहचान को कायम रखा है। आज जिस प्रकार हर राज्य अपने कायाकल्प करने के चक्कर में पुरातन महत्व की चीजों की ओर ध्यान नहीं दे रहा है वहीं इस संदर्भ में सिक्किम को इसका अपवाद भी कहा जा सकता है। गर्मियों का यह मौसम चूंकि छुट्टियों का भी मौसम है और लोग इन दिनों ही घूमने-घुमाने का कार्यक्रम बनाते हैं इसलिए विभिन्न ट्रैवल कंपनियों के साथ ही सिक्किम पर्यटन भी पैकेज टूर आयोजित करता है, तो अब विलंब किस बात का? जल्दी पता कीजिए और पहुंचिए सिक्किम के ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थलों में घूमने के लिए।

- लोकल डेस्क

नसीरुद्दीन शाह 2 दिन से हॉस्पिटल में भर्ती, निमोनिया के बाद फेफड़े में मिला पैच

बॉलिवुड के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक माने जाने वाले ऐक्टर नसीरुद्दीन शाह के बारे में कुछ अच्छी खबर नहीं आ रही है। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले ही नसीरुद्दीन शाह को मुंबई के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। खबर है कि नसीरुद्दीन को निमोनिया हुआ है और उनके फेफड़ों में पैच भी पाया गया है। नसीरुद्दीन शाह की पत्नी रत्ना पाठक और उनके बच्चे भी हॉस्पिटल में लगातार मौजूद हैं। वैसे बता दें कि पहले भी कई बार इस तरह की खबरें सामने आती रही हैं कि नसीरुद्दीन शाह की तबीयत ठीक नहीं है मगर अभी तक वह झूठी निकली थीं। हालांकि इस बार यह खबर झूठी नहीं है। नसीरुद्दीन शाह के मैनेजर ने उनके हॉस्पिटल में भर्ती होने की बात हमारे सहयोगी बॉम्बे टाइम्स को कन्फर्म की है। उन्होंने कहा, वह दो दिनों से हॉस्पिटल में भर्ती है। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उन्हें निमोनिया होने के कारण भर्ती कराया गया है। उनके फेफड़े में पैच पाया गया है इसलिए उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराना जरूरी था। उनकी स्थिति अभी स्थिर है और इलाज का असर हो रहा है। बता दें कि 70 साल के नसीरुद्दीन शाह ने 1975 में फिल्म निशांत से बॉलिवुड डेब्यू किया था। इसके बाद नसीर ने 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। **-नेशनल डेस्क**

अलाया एफ ने बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे के साथ डेटिंग की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

अलाया एफ ने फिल्म इंडस्ट्री में बस अभी अपने कदम ही रखे है। उन्हें अभी यहां कामयाबी हासिल करने में कुछ वक्त लगेगा। लेकिन अलाया शुरू से ही अपनी फिल्मों के बजाय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा सुर्खियों में रहती हैं। वही, लंबे समय से मीडिया में इस तरह की खबरें हैं कि अलाया एफ बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे को डेट कर रही हैं। हालांकि कभी भी अलाया और ऐश्वर्य ने खुलकर अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है। इन सबके बीच अब अलाया एफ ने ऐश्वर्य ठाकरे को डेट करने को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। अलाया ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपने फिल्मी करियर के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर ढेर सारी बातें की हैं। ऐश्वर्या ठाकरे को डेट करने को लेकर अलाया एफ ने कहा है कि वह सिर्फ उनके बहुत अच्छे और टैलेंटेड दोस्त हैं।अलाया एफ से सवाल किया गया कि एक कलाकार की निजी जिंदगी हमेशा सुर्खियों में रहती है और आपके मामले में भी ऐसा हुआ है। ऐश्वर्या ठाकरे को डेट करने की खबरें हैं। क्या इसमें कोई सच्चाई है? आप ऐसी खबरों को कैसे हैंडल करते हैं? इस सवाल के जवाब में अलाया एफ ने कहा, श्अगर आपके बारे में बात की जा रही है, तो यह हमेशा अच्छा होता है! आपको इन खबरों को बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। अलाया एफ ने आगे कहा, ऐश्वर्या एक अद्भुत दोस्त और बेहद टैलेंटेड इंसान हैं। ऐसी खबरें मेरे करीबियों के बीच उत्साह पैदा करती हैं, लेकिन अब वे भी ऐसे खबरों के लिए यूज टू हो गए हैं। जहां तक मेरी निजी जिंदगी का सवाल है, मैं इसके बारे में उतना तवज्जो नहीं देती जितना मैं अपनी प्रोफेशनल जिंदगी के बारे में देना चाहती हूं। मुझे लगता है कि आपकी निजी जिंदगी स्वाभाविक रूप से ठीक हो जाती है। आपको हर दिन केवल खुद का सबसे अच्छा वजर्न बनने पर काम करना चाहिए। लॉकडाउन के दौरान मैंने यही किया है। यह सब मेरे बारे में सोचने के बारे में था न कि किसी दूसरे शख्स के बारे में। आपको बता दें कुछ वक्त पहले अलाया एफ अपनी नाक की सर्जरी को लेकर चर्चा में आई थीं। अलाया ने एक इंटरव्यू में बताया था, मैंने एक बार अपनी नाक की सर्जरी के बारे में सोचा था। अगर आप गौर से देखेंगे तो आपको मेरी नाक में थोड़ा सा फर्क दिखेगा। मेरी नाक सीधी तरफ से ठीक है, जब्कि दूसरी साइड से थोड़ी उठी हुई है। मैंने इसी को सही कराने के लिए सर्जरी करवाने के बारे में सोचा था, लेकिन फिर मैंने अपना इरादा बदल दिया और मैं कभी सर्जरी करवाऊंगी भी नहीं।

-एजेंसी

क्या है कान का मैल? जानिए इसे साफ करने का सबसे बेस्ट तरीका

ईयरवैक्स या कान का मैल, कई लोगों को इससे घिन आती है। मगर, कान का मैल हमारे शरीर से निकलने वाला एक ऐसा प्राकृतिक रिसाव है जो बहुत महत्वपूर्ण काम करता है। ऐसे में कान को साफ रखना कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे आपको हल्के में लेना चाहिए।

क्या है कान का मैल?

ईयरवैक्स, कान में मौजूद ग्रंथियों के बीच उत्पन्न होता है जो कान को स्वस्थ व साफ रखने में मदद करता है। ये कर्ण नलिकाओं के ऊपर जमी परत को सूखने या उनमें दरार पड़ने से भी रोकता है। इसके अलावा ईयरवैक्स कान को धूल-कणों और पानी से बचाता है, जिससे संक्रमण का खतरा कम होता है।

कब समस्या बन जाता है कान का मैल?

ज्यादातर समय कर्ण नलिकाएं अपनी सफाई खुद ही कर लेती हैं। बोलते या कुछ भी चबाते समय ईयरवैक्स और त्वचा की कोशिकाएं कान के पर्दे ये छेद की ओर बढ़ती हैं। यहां वैक्स सूखकर बाहर निकल जाती है। ईयरवैक्स सामान्य तौर पर कोई समस्या नहीं है लेकिन अगर यह ज्यादा मात्रा में बनने लगे तो आपको ध्यान देना चाहिए। ज्यादा मात्रा में वैक्स बनने से कान में दर्द, सुनने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

बाजार में ऐसी कई चीजें मिलती है, जिससे कान का मैल निकालने की गरंटी दी जाती है। मगर, क्या वाकई ये चीजें मददगार हो सकती है।

ईयरबड्स

-ईयरबड्स की बात करें तो उसके लेवल पर ही लिखा होता है कि कान की सफाई के लिए उसे यूज ना करें। दरअसल, ईयरबड्स मैल को और भी अंदर की तरफ धकेल देती है, जिससे वो उस हिस्सों में चली जाती है, जो अपनी सफाई खुद करने में सक्षम नहीं होते। वहीं, इससे कान की अंदरूनी त्वचा में जल हो सकती है, जिससे उसे बार-बार छूने का मन नहीं करता।

-यही नहीं, अगर ईयरबड्स के फाहे कान की गहराई तक पहुंच जाए तो कान का पर्दा फट भी सकता है। अचानक दर्द, खून आना और अस्थाई तौर पर बहरापन हो सकता है।

ईयरकैंड्ल्स

कुछ लोग कान साफ करने के लिए ईयरकैंड्ल्स का इस्तेमाल भी करते हैं लेकिन शोध के मुताबिक, ये मैल साफ करने में असरदार नहीं है। इससे ना सिर्फ कान और चेहरा जल सकता है बल्कि ये कान के पर्दे को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

ईयरड्राप

कुछ लोग मैल निकालने के लिए ईयरड्राप को पहले विकल्प के तौर पर यूज करते हैं। इसे बनाने के लिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड, सोडियम बाइकार्बोनेट या सोडियम क्लोराइड का यूज होता है। कई मामलों में यह असरदार हो सकते हैं लेकिन सेंसटिव स्किन वाले इसे यूज ना करें।

बादाम या जैतून तेल

कान की सफाई के लिए आप जैलून या बादाम तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे वैक्स भी साफ हो जाएगी और कानों को कोई नुकसान भी नहीं होगा।

पानी से सफाई

डॉक्टर कान की सफाई के लिए सिरींजिंग तकनीक का सहारा भी लेते हैं। इसके इंजेक्शन के जरिए कानों में पानी डालकर उसकी सफाई की जाती है। कुछ मामलों में यह सही हो सकता है लेकिन इससे कान के पर्दे फटने का डर रहता है।

माइक्रोसक्शन

ईयरवैक्स से परेशान मरीजों के कान की सफाई करने के लिए डॉक्टर माइक्रोसक्शन का इस्तेमाल भी करते हैं। इसमें एक्सपर्ट माइक्रोस्कोप के जरिए कानों में देखते है और फिर छोटे औजार से मैल को निकाल देते हैं।

-लोकल डेस्क

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

58 हजार बीसी सखी तैयार

शुरुआत की। इस योजना के तहत राज्य की सभी महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से प्रदेश में 30 हजार हजार बीसी सखी बनाने का कार्यक्रम बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ मिलकर किया जा रहा है। यूपी इंडस्ट्रियल कंसलटेंट्स लिमिटेड (यूपीकॉन) इसमें भी सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति, वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से 500 अनुसूचित जाति के युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर देते हुए बीसी सखी बनाए हैं। बीसी सखी बनाने के लिये पूर्व सैनिकों, पूर्व शिक्षकों, पूर्व बैंककर्मियों और महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। बीसी सखी बनने के लिये योग्यता में 12वीं कक्षा पास होना अनिवार्य किया गया है। अभ्यर्थी को कंप्यूटर चलाना आना चाहिए। उस पर कोई वाद या पुलिस केस नहीं होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थी के चयन से पहले एक छोटी सी परीक्षा भी ली जाती है। इसमें उत्तीर्ण होने वाला अभ्यर्थी बीसी सखी बन सकता है। इज्जतदार काम मिला और लोगों की सेवा का अवसर भी = बड़हलगंज जिला गोरखपुर में बीसी सखी योजना से जुड़ने वाले धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि वो पहले वस्त्र उद्योग से जुड़े थे। बीसी सखी योजना से जुड़ने के बाद उनको काफी फायदा हुआ। उनका कहना है कि इज्जदतार काम मिलने के साथ लोगों की सेवा का भी बड़ा अवसर मिला है। लोगों को तत्काल बैंकिंग सेवा मिलने से खुद को भी खुशी होती है। कस्बा सेथल जिला बरेली के आसिफ अली ने बताया कि बीसी सखी बनने के बाद भविष्य सुरक्षित करने के लिये प्रत्येक माह एक निश्चित आमदनी का माध्यम बना है। इससे पहले मैं ऑनलाइन कैफे चलाता था, ऑनलाइन आधार बनाने का भी काम करता था। इन सेंटरों के बंद होने के बाद रोजगार नहीं था। इसके बाद बीसी सखी योजना से जुड़कर एक स्थायी रोजगार मिला है। लोगों को बैंकों में लाइन लगाना हुआ बंद = लखनऊ में नक्खास निवासी मोहसिन मिर्जा ने बताया कि बीसी सखी योजना के तहत बैंकिंग सेवाओं को देना रोजी-रोटी का बेहतर साधन बना है। सबसे अधिक फायदा इससे बैंक के ग्राहकों को हुआ है। उनको बैंक में लाइन लगाने और समय लगाना बंद हो गया है और बैंक तक जाने का किराया भी उनका बचा है। छोटे स्तर पर बैंकिंग सेवाएं लोग हमारे केंद्रों से ले रहे हैं। बैंकिंग सेवाओं को आसानी से प्राप्त करने की बड़ी पहल = सोनभद्र के भगवान दास बताते हैं कि बीसी सखी योजना से उनको रोजगार मिला है। प्रत्येक माह उनकी आमदनी बढ़ती जा रही है। सबसे अधिक सुविधा ग्राहकों को मिली है। सरकार की ओर से बैंकिंग सेवाओं की बड़ी सौगात खासकर गांव के लोगों को दी गई है। ग्रामीण पहले बैंक से पैसा निकालने और जमा करने में आने-जाने में जो खर्चा करते थे उसकी भी बचत हो रही है।

मुख्यमंत्री ने नेशनल डॉक्टर्स

अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। अपने प्राणों की परवाह न करते हुए चिकित्सकों ने एक-एक मरीज की जीवन रक्षा के लिए निरन्तर कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी के सहयोग, कठिन परिश्रम और असीम प्रयासों से प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। इसके बावजूद हमें यह याद रखना होगा कि हमारी लड़ाई एक अदृश्य शत्रु के खिलाफ है। इसलिए हर स्तर पर पूरी सतर्कता बरतने के साथ-साथ कोविड-19 से बचाव और उपचार के लिए राज्य सरकार की 'ट्रेस, टेस्ट एण्ड ट्रीट' की नीति को प्रभावी ढंग से जारी रखना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान हमने वैक्सीन की सुरक्षा को भी देखा। वैक्सीन के सुरक्षा कवच के परिणामस्वरूप फ्रण्टलाइन कोरोना वॉरियर्स निश्चिन्त होकर प्रभावित लोगों की सेवा कर पाये। आने वाले समय में कोविड वैक्सीन का यही सुरक्षा कवच लक्षित आयु वर्ग के सभी लोगों तक पहुंचाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही हैं।

प्रधानमंत्री आज अभियान

ही संवादात्मक और सूचनात्मक सत्र होगा। इसमें प्रधानमंत्री देशभर के डिजिटल इंडिया के लाभार्थियों से बात करेंगे। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि हमें प्रधानमंत्री से जो मार्गदर्शन और समर्थन मिला है वह अद्वितीय है। हम उनके गतिशील नेतृत्व में डिजिटल इंडिया की पहल को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल इंडिया की प्रमुख उपलब्धियों पर वीडियो प्रेजेंटेशन भी होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी देशभर के डिजिटल इंडिया अभियान के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। बता दें कि डिजिटल इंडिया भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को 1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को

की कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। दो महीने से भी कम समय में 32वीं वृद्धि से दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 99 रुपये प्रति लीटर के करीब आ गई। जबकि डीजल 89 रुपये प्रति लीटर के स्तर को पार कर गया। राष्ट्रीय राजधानी में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमत अब क्रमशः 98.81 रुपये और 89.18 रुपये है।

मुकुल गोयल बने

यूपी में एडीजी रेलवे, सीबीसीआइडी और अखिलेश यादव की सरकार में यूपी के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर भी रह चुके हैं। उत्तर प्रदेश के नए पुलिस मुखिया के नाम पर बुधवार शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतिम मुहर लगा दी। मंगलवार शाम से ही उनके डीजीपी बनने के कयास लगाए जा रहे थे। दिल्ली में मंगलवार को संघ लोक सेवा आयोग की बैठक में अगले डीजीपी को लेकर तीन अधिकारियों का पैनल तय कर दिया था। नए डीजीपी की रेस में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात आइपीएस मुकुल गोयल सबसे आगे थे। गोयल केंद्र में बीएसएफ में एडीजी हैं। इनके अलावा इसी बैच के आइपीएस तथा वर्तमान में डीजी ईओडब्ल्यू डा. आरपी सिंह का भी नाम शामिल था। दोनों अफसरों ने मंगलवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात भी की थी। शामली के रहने वाले हैं मुकुल गोयल सीनियर आइपीएस मुकुल गोयल मूल रूप से शामली के रहने वाले हैं। अब उनका आवास मुजफ्फरनगर की नई मंडी कोतवाली क्षेत्र स्थित भरतिया कॉलोनी में है। वहां उनकी मां रहती हैं।मुकुल गोयल का जन्म शामली स्थित मोहल्ला डुब्बू दरवाजा स्थित घर में हुआ। अब इस घर में उनकी बुआ मीनू रहती हैं। बाद में इस मोहल्ले का नाम लाजपतराय और वर्तमान में शिवमूर्ति है।

यूपी गेट पर बीजेपी कार्यकर्ताओं-

उपाध्यक्ष ने कहा, बीजेपी नेता अमित वाल्मीकि जी के स्वागत में हम शांतिपूर्ण खड़े हुए थे। उसी दौरान टिकैत के समर्थक हथियार लेकर आए और हमारी बहनों के साथ मारपीट की, जिससे कई महिलाएं चोटिल हो गई हैं। दूसरी ओर किसानों का आरोप है कि भाजपा के कुछ कार्यकर्ता आंदोलन स्थल पहुंच किसानों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे, तभी किसानों और उनके बीच मारपीट हुई। किसानों द्वारा ये भी कहा जा रहा है कि, भाजपा कार्यकता गाली -गलौच कर रहे थे।

सिक्किम में सेना के जवानों को

की दर 10 फीसद से अधिक है। सिक्किम में पिछले साल मई में कोरोना का पहला मामला मिला था। इसके बाद से अबतक राज्य में 20,0334 मामले सामने आ चुके हैं। यही नहीं 1,62,824 नमूनों की जांच की जा चुकी है। इस छोटे से हिमालयी राज्य में पिछले हफ्ते औसत संक्रमण दर 16 फीसद दर्ज की गई जो राष्ट्रीय साप्ताहिक दर 2.81 फीसद से ज्यादा है। वहीं विपक्षी दलों ने महामारी को रोकने के लिए राज्य सरकार की कोशिशों पर नाराजगी जताई है।

जम्मू में सुबह-सुबह

इससे एक दिन पहले सेना के जवानों ने मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके में रत्नुचक-कुंजवानी इलाकों में सैन्य स्टेशन के पास ड्रोन देखा गया था। इससे पहले सोमवार को सेना के सतर्क जवानों ने जम्मू शहर के बाहरी इलाके में रत्नुचक-कालूचक सैन्य स्टेशन के पास ड्रोन गतिविधि को विफल कर दिया था।

यूपी: 24 घंटे में 165 नए मरीज

यह अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतने का समय है। थोड़ी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारक बन सकती है। ये बातें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 के साथ चर्चा में कही और अफसरों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को त्वरित और गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा संकल्पित भाव के साथ प्रयास किये जा रहे हैं। विकास खंड स्तर पर सब हेल्थ सेंटर की संख्या और बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। वर्तमान में प्रदेश में 18 हजार से अधिक सब हेल्थ सेंटर संचालित हैं। जुलाई माह में 5,000 नए सब हेल्थ सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया आरम्भ की जायेगी। यह लोगों को त्वरित चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने में उपयोगी सिद्ध होंगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस संबंध में कार्यवाही तत्काल शुरू कर दी जाए। उसे नियोजित प्रकार से लागू कराया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक केन्द्र पर स्टाफ रहे।

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के

अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 45,951 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ तीन लाख 62 हजार 848 हो गया है। इस दौरान 60 हजार 729 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर दो करोड़ 94 लाख 27 हजार 330 हो गयी है। सक्रिय मामले 15,595 कम होकर पांच लाख 37 हजार 064 रह गये हैं। इसी अवधि में 817 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर तीन लाख 98 हजार 454 हो गया है।देश में सक्रिय मामलों की दर कम होकर 1.77 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 96.92 फीसदी और मृत्यु दर 1.31 हो गयी है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 769 घटने बाद यह संख्या 1,20,281 हो गयी है। इसी दौरान राज्य में 8623 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 58,09548 हो गयी है जबकि 231 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,21,804 हो गया है।

कोरोना में जान गंवाने वालों के

किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, क्या उचित राशि प्रदान की जानी है, यह राष्ट्रीय प्राधिकरण के विवेक पर छोड़ दिया गया है। यह कहते हुए कि अदालत के लिए मुआवजे की एक विशेष राशि का निर्देश देना उचित नहीं है। पीठ ने कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 12 में इस्तेमाल किया गया शब्द होगा(शैल) है, जो अनिवार्य है, और होगा शब्द को हो सकता है(मे) के रूप में जोड़ा गया है, जो प्रावधान के उद्देश्य को समाप्त कर देगा। पीठ ने कहा कि कोविड रोगियों के लिए जारी किए गए मृत्यु प्रमाण पत्र में मृत्यु की तारीख और कारण सहित सरल दिशानिर्देश होने चाहिए। पीठ ने कहा, परिवार के संतुष्ट नहीं होने पर मौत के कारणों को ठीक करने की भी सुविधा होगी। शीर्ष अदालत का आदेश उन जनहित याचिकाओं पर आया, जो अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल और रीपक कंसल द्वारा दायर की गई थीं, जिसमें कोविड पीड़ितों के परिवारों को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि के भुगतान के लिए अदालत के हस्तक्षेप की मांग की गई थी। बंसल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम (डीएमए) की धारा 12 (3) का हवाला दिया, जिसमें अधिसूचित आपदा के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि का प्रावधान है।

हर वर्ग के है साथ, भाजपा

किए गए सेवा कार्य, संगठन कार्यकर्ताओं के रुख और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन के साथ चिंतन कर रहे हैं। इसके साथ ही पदाधिकारियों से नेतृत्व द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों और पार्टी के निर्धारित कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच जाना और उन्हें सरकार की उपलब्धियां गिनाने की बात भी कही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

सांस लेने में तकलीफके कारण 98 वर्षीय अभिनेता दिलीप कुमार फिर अस्पताल में भर्ती

चर्चित राजनीति। एजेंसी

मुंबई। जाने-माने अभिनेता दिलीप कुमार को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद एहतियाती तौर पर शहर के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। करीब 10 दिन पहले ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली थी। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, 98 वर्षीय अभिनेता को उपनगर खार स्थित हिंदुजा अस्पताल में कल भर्ती कराया गया और अब उनकी तबीयत ठीक है। यह अस्पताल कोविड-19 केन्द्र नहीं है। अस्पताल से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'उन्हें सांस लेने में तकलीफ के बाद कल दोपहर को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी उम्र और हाल में ही अस्पताल में भर्ती कराए जाने के मद्देनजर परिवार ने एहतियाती तौर पर उन्हें अस्पताल लाने का फैसला किया। वह ठीक हैं। वह गहन चिकित्या विभाग (आईसीयू) में भर्ती हैं, ताकि चिकित्सक उनके स्वास्थ्य पर नजर रख पाएं।दिलीप कुमार को सांस में तकलीफ के कारण छह जून को भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उनके फेफड़ों के बाहर तरल पदार्थ एकत्र हो गया, जिसे चिकित्सकों ने सफ लतापूर्वक निकाल दिया था और पांच दिन बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। 'ट्रेजेडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार ने 1944 में 'ज्वार भाटा फि ल्म से अपने करियर शुरुआत की थी और अपने पांच दशक लंबे करियर में 'मुगल-ए-आजम, 'देवदास, 'नया दौर, 'राम और श्याम जैसी हिट फिल्में दीं। वह आखिरी बार 1998 में आई फि ल्म 'किला में नजर आए थे।

लाल किला हिंसा का आरोपित बूटा सिंह गिरफ्तार, 50 हजार का था इनाम

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। लाल किला हिंसा मामले में फरार चल रहे बूटा सिंह को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपित बीते पांच महीने से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। कोर्ट से उसे भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी थी। पुलिस उससे लाल किला हिंसा में उसकी भूमिका को लेकर पूछताछ कर रही है।

अपराध शाखा की डीसीपी मोनिका भारद्वाज ने बताया कि बीते 26 जनवरी को हुई लाल किला हिंसा मामले में बड़ी संख्या में उपद्रवियों ने हंगामा किया था। इस घटना में 400 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए थे। कोतवाली थाने में हिंसा को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में इसकी जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई थी। इस मामले में कई आरोपितों को अपराध शाखा और स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था, लेकिन बूटा सिंह लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। बूटा सिंह पंजाब के तरनतारन का रहने वाला है।

पंजाब से गिरफ्तार हुआ आरोपित

अपराध शाखा की टीम को सूचना मिली कि वांछित बूटा सिंह अपने गांव में मौजूद है। इस जानकारी पर अपराध शाखा की टीम ने पंजाब स्थित गांव में छापा मारा। स्थानीय लोगों ने वहां पर जमकर पुलिस का विरोध किया, लेकिन उसे अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम उसे लेकर दिल्ली आ गई है। उसे कोर्ट के समक्ष पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा और साजिश से संबंधित पूछताछ की जाएगी। **निशान साहिब फहराने में था शामिल :** पुलिस के अनुसार, आरोपित बूटा सिंह लाल किला पर निशान साहिब का झंडा फहराने वालों में शामिल था। इसकी वीडियो क्राइम ब्रांच को मिली थी। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह किसान आंदोलन के समर्थन में था। उसने सोशल मीडिया पर आंदोलन से संबंधित कई पोस्ट देखे थे। वह कई बार सिंघु बॉर्डर भी आया था। लाल किला पर वह अपने पांच से छह साथियों को लेकर आया था। यहां से हिंसा के बाद वह फरार हो गया था।

देश-विदेश डायरी

विदेशी कामगारों के लिए नयी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली शुरू करेगा सिंगापुर

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में प्रवासी या विदेशी कामगारों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने तथा सक्रिय निगरानी के माध्यम से भविष्य में रोगों के प्रकोप को कम करने के लिए एक नयी चिकित्सा प्रणाली शुरू करने की योजना है।'द स्ट्रेट्स टाइम्स' अखबार की खबर के अनुसार, नवंबर 2021 से शुरू होने वाली प्रणाली छह भौगोलिक क्षेत्रों में विभाजित होगी जहां हर क्षेत्र में कम से कम 40 हजार प्रवासी कामगार रहते हैं। नयी प्रणाली के संबंध में मानव संसाधन मंत्रालय ने 28 जून को निविदा संबंधी दस्तावेज जारी किये। इनके मुताबिक, स्वास्थ्य सुविधाएं इस तरह प्रदान की जानी चाहिए कि इनका लाभ उठाने के लिए कोई सांस्कृतिक या भाषाई अवरोध नहीं रहे। इसमें कहा गया है कि इसके लिए प्रवासी कामगारों के गृह देशों से डॉक्टरों को बुलाया जा सकता है तथा अनेक भाषाओं में अनुवाद की व्यवस्था की जा सकती है।

भारत समेत 21 देशों के लोगों के दक्षिण कोरिया में प्रवेश पर क्वारंटीन होंगे

सोल, एजेंसी। भारत, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, फ्लिीपींस और 17 अन्य देशों से आने वाले यात्रियों को दक्षिण कोरिया आगमन पर 14 दिनों के क्वारंटीन में रखा जाएगा भले ही उन्हें टीका लगाया गया हो। आपदा प्रबंधन और सुरक्षा के लिए कोरिया गणराज्य के केंद्रीय मुख्यालय ने बुधवार को इस आशय की जानकारी दी गयी। डेल्टा कोरोनवायरस वायरस के वैश्विक प्रसार पर बढ़ती चिंताओं के बीच मंगलवार को यह निर्णय लिया गया। इससे पहले, दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने कहा कि कुछ टीकों के साथ टीकाकरण कराने वाले यात्री जुलाई से अनिवार्य सेल्फ आइसोलेशन के बिना देश का दौरा कर सकेंगे, यदि उनका कोरोना वायरस परीक्षण नकारात्मक है और कोई लक्षण नहीं देखा जाता है। यही बात दक्षिण कोरियाई नागरिकों पर भी लागू होती है। विदेशी केवल व्यापार, शैक्षणिक या मानवीय उद्देश्यों के लिए दक्षिण कोरिया आ सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश भी उन 21 देशों में शामिल हैं, जिनके निवासी क्वारंटीन किया जायेगा। रूस के लिए कोई अपवाद नहीं है, लेकिन यह अभी तक संक्रमण के विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले देशों की सूची में शामिल नहीं है, जिनके नागरिकों के प्रवेश पर अतिरिक्त प्रतिबंध लागू होते हैं।

जेएआईएनए सम्मेलन को संबोधित करेंगे दलाई लामा

वाशिंगटन, एजेंसी। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा 'फेडरेशन ऑफ जैन एसोसिएट्स इन नॉर्थ अमेरिका' (जेएआईएनए) के बृहस्पतिवार से आरंभ होने जा रहे 21वें सम्मेलन में विशेष संबोधन देंगे। कार्यक्रम के आयोजकों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण यह सम्मेलन ऑनलाइन आयोजित किया जा रहा है। छह दिवसीय इस सम्मेलन को विश्व स्तरीय बनाने के लिए इस वर्ष इसका विस्तार किया गया है। इसमें ब्रिटेन, कनाडा, भारत, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात समेत कई देशों के लोग शामिल होंगे। सम्मेलन के लिए अभी तक 21 देशों के 7,000 लोगों ने पंजीकरण करवाया है। 'जेएआईएनए' अमेरिका तथा कनाडा में 70 से भी अधिक उत्तर अमेरिकी जैन मंदिरों का मातृ संगठन है। इस वर्ष सम्मेलन का विषय है ''जैनिज्मरू ए रेसिलियंट पाथ टू पीस''। इस संगठन की स्थापना 1981 में हुई थी। सम्मेलन में कई रंगारंग कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा।

निर्मला सीतारमण और अमेरिकी विदेश मंत्री ने की वैश्विक न्यूनतम कर पर चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अमेरिकी विदेश मंत्री जेनेट एल येलेन ने फोन पर बात की और वैश्विक न्यूनतम कर पर चर्चा की। वित्त विभाग ने मंगलवार को एक बयान में कहा, येलेन ने भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बात की और यह भी कहा कि अमेरिका और भारत में एक मजबूत वैश्विक न्यूनतम कर लागू करने में साझा हित हैं।÷बयान में कहा गया है कि फोन पर बातचीत के दौरान येलेन ने जी20 और ओईसीडी में भारत के साथ साझेदारी के महत्व पर जोर दिया ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था को फलने-फूलने में मदद करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कर प्रणाली को फिर से बनाने के लिए पीढ़ी दर पीढ़ी अवसर हासिल किया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के लिए सामान लेकर रवाना हुआ रूसी यान

मॉस्को, एजेंसी। रूस का एक मानव रहित मालवाहक यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र को सामान की आपूर्ति करने के लिए बुधवार को प्रक्षेपित किया गया। कजाखस्तान के बैकोनूर में रूस के अंतरिक्ष केंद्र से सोयुज रॉकेट से प्रोग्रेस एमएस-17 का अंतरराष्ट्रीय समयानुसार रात 11 बजकर 27 मिनट पर प्रक्षेपण किया गया। यह अंतरिक्ष केंद्र में मौजूदा सात अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भोजन, ईंधन, उपकरण और अन्य सामान लेकर गया है। ये अंतरिक्ष यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्री मार्क वांडे हेइ, शेन किमब्रॉघ और मेगन मैकआर्थर, रूस के ओलेग नोवित्स्की और प्योत्र दुबरोव, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री अकिहिको होशिदे और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री थॉमस पेस्क्वेट हैं।

बिहार कांग्रेस में बदलाव की सुगबुगाहट एक बार फिर हुई शुरु

चर्चित राजनीति। एजेंसी

पटना। बिहार कांग्रेस में बदलाव की सुगबुगाहट एक बार फिर से प्रारंभ हो गई है। इस बीच, पार्टी में छह कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की भी मांग उठने लगी है। पार्टी के कई बडे नेता प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पाने को लेकर जोडतोड में जुटे हुए है। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी के अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन के बाद से ही पार्टी में बदलाव के कयास लगाए जाते रहे हैं। इस बीच, हालांकि पार्टी ने बिहार प्रभारी को बदलकर भक्त चरण दास को प्रदेश प्रभारी का जिम्मा दिया है। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस विपक्षी दलों के महागठबंधन में शामिल होकर 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी लेकिन महज 19 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। इस प्रदर्शन के बाद से ही संगठन में बदलाव के आसार बनने लगे थे। पार्टी में टिकट बंटवारा को लेकर भी विरोध के स्वर उभरे थे। माना जा रहा है कि बिहार अध्यक्ष के बदलाव को लेकर प्रदेश प्रभारी भक्तचरण दास की रिपोर्ट अहम मानी जाएगी। दास प्रभारी बनने के बाद राज्य के सभी जिलों में जाकर कायकर्ताओं से मुलाकात कर चुके हैं तथा उनकी मंशा को भांप चुके हैं। कई जिलों में दास को कार्यकर्ताओं का विरोध का सामना भी करना पड़ा। इसके बाद दास ने सभी विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर अध्यक्ष पद के लिए उनकी राय ले चुके हैं। कांग्रेस के पूर्व विधायक नरेंद्र कुमार ने बताया, जैसी चर्चा है उसके मुताबिक प्रदेश अध्यक्ष बदलना तय है। ऐसे में कई नेता अध्यक्ष बनने के योग्य हैं। प्रदेश प्रभारी भी अपने पिछले बिहार दौरे में इसके संकेत दे चुके हैं। ऐसे में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को ही तय करना है कि प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी किसे सौपी जाए। प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा का कार्यकाल इस साल समाप्त होने वाला है। इसके बाद नए अध्यक्ष की नियुक्ति होगी। इधर, कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व ऐसे चेहरे के तलाश में है जो न केवल पार्टी के अंदरूनी फूट को एकजुट कर सके बल्कि अध्यक्ष सर्वमान्य हो। इसके अलावे अध्यक्ष पद के जरिए सभी जाति समीकरणों को भी साधने की कोशिश की जाएगी। कांग्रेस की बिहार में ऐसी स्थिति नहीं कि वे राजद से अलग होकर चुनाव लड सके। ऐसी स्थिति में पार्टी अध्यक्ष के लिए ऐसे चेहरे पर दांव लगाएगी जिसका संबंध राजद से भी बेहतर हो। इधर, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने छह कार्यकारी अध्यक्ष बनाने की मांग कर दी है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि प्रदेश अध्यक्ष किसी वर्ग का हो, कार्यकारी अध्यक्ष के पदों पर सबकी भागीदारी होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गठन में कार्यकारी अध्यक्ष की सूची में पिछली बार किसी महिला, पिछड़ी या अति पिछड़ी जाति के किसी प्रतिनिधि को जगह नहीं मिली थी।

सियासी हलचल के बीच प्रियंका गांधी से मिले नवजोत सिंह सिद्धू

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस में आपसी तनाव लगातार जारी है। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच सब सही नही हैं और इन दोनों के बीच का तनाव अब कांग्रेस के गले की हड्डी बनता जा रहा है। खैर इस खींचतान के बीच आज बुधवार को पंजाब कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी से दिल्ली में मुलाकात की है। मुलाकात के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने प्रियंका के साथ एक तस्वीर अपने ट्विटर हेंडल पर शेयर की है और साथ में लिखा है कि, श्प्रियंका गांधी के साथ एक लंबी मुलाकात हुई। गौरतलब है कि नवजोत सिंह सिद्धू मंगलवार को पटियाला से दिल्ली आए थे और उनका प्रियंका गांधी तथा राहुल गांधी से मुलाकात का कार्यक्रम था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राहुल गांधी ने अभी तक नवजोत सिंह सिद्धू को मुलाकात के लिए समय नहीं दिया है। अब प्रियंका गांधी से हुई ये मुलाकात पंजाब में कांग्रेस के भीतर ही चल रही सियासी हलचल के बीच काफी अहम है। आपको बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू ने लंबे वक्त से मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ था, हाल ही में पंजाब को लेकर हलचल बढ़ी थी। क्योंकि अगले साल राज्य में चुनाव होने हैं, ऐसे में अब दिल्ली में ये महामीटिंग हुई है। बता दें कि सिद्धू से मिलने के बाद अब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सोनिया गांधी से मिलने 10 जनपथ पहुंची हैं।

उत्तर पश्चिमी अमेरिका में भीषण गर्मी का कहर, 12 मरे

चर्चित राजनीति। एजेंसी

सिएटल और पोर्टलैंड में पारा लगातार 37.7 डिग्री सेल्सियस से अधिक है।

वाशिंगटन। अमेरिका के वाशिंगटन और ओरेगोन में भीषण गर्मी के कारण करीब 12 लोगों की मौत हो गयी और बिजली की भारी मांग के बीच इसकी कटौती भी करनी पड़ी। सिएटल और पोर्टलैंड में पारा लगातार 37.7 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। हालांकि मंगलवार को इन शहरों में गर्मी से थोड़ी राहत मिली लेकिन स्पोकेन, पूर्वी ओरेगन के शहरों और इडाहो के शहरों में तापमान में वृद्धि देखी गयी। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि स्पोकेन में मंगलवार को पारा 42.2 सेल्सियस पर पहुंच गया जो अभी तक वहां दर्ज किया गया सबसे अधिक तापमान है। इस शहर में सोमवार को करीब 9,300 उपभोक्ताओं के यहां बत्ती गुल हो गयी और कंपनी ने कहा कि मंगलवार दोपहर को बिजली की और कटौती की जाएगी। इस बीच प्राधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में हाल में हुई कई मौतों का संबंध भीषण गर्मी से हो सकता है। किंग काउंटी के मेडिकल परीक्षक कार्यालय ने बताया कि दो लोगों की मौत हाइपरथर्मिया यानी कि उनके शरीर के खतरनाक स्तर तक गर्म होने के कारण हुई। सिएटल टाइम्स ने बताया कि ये मृतक 65 वर्षीय और 68 वर्षीय महिला हैं। स्नोहोमिश काउंटी के मेडिकल परीक्षक कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि वाशिंगटन में गर्मी के कारण 51, 75 और 77 वर्ष के तीन लोगों की मौत हो गयी। ओरेगन के बेंड में प्राधिकारियों ने बताया कि दो बेघर लोगों की मौत अत्यधिक गर्मी के कारण होने की आशंका है। इडाहो में कई शहरों में मंगलवार को तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया और लुइसटन में तो तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने विस्कॉन्सिन में भाषण के दौरान उत्तर पश्चिम में गर्मी पर संज्ञान लिया और अत्यधिक गर्मी के लिए तैयार रहने की जरूरत पर बात की। उन्होंने कहा, ''क्या किसी ने कभी सोचा था कि वह खबरों में ओरेगन के पोर्टलैंड में 116 डिग्री फैरनहीट तापमान देखेगा? लेकिन चिंता मत करिए, यह कोई वैश्विक ताप वृद्धि नहीं है।

आंख का ऑपरेशन करवाने के बाद दिल्ली से पटना लौटे नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आंख का ऑपरेशन करवाने के बाद बुधवार को दिल्ली से पटना पहुंच गए। उन्होंने पटना पहुंचने के बाद कहा कि दोनों आंखों का ऑपरेशन हो गया। डॉक्टरो ने अभी बाहर निकलने से परहेज करने की सलाह दी है। नीतीश बुधवार की दोपहर दिल्ली से पटना पहुंचे। पटना हवाई अड्डे से मुख्यमंत्री आवास जाने के क्रम में उन्होंने पत्रकारों से ज्यादा बात नहीं की, लेकिन इतना जरूर कहा दोनों आंखों का ऑपरेशन सफल रहा। मुख्यमंत्री ने कहा, सब कुछ ठीक है और डॉक्टरों ने उन्हें घर जाने की सलाह दी थी जिसके बाद वह वापस आ गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नियमित अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध 31 जुलाई तक बढ़ा दिया है।डीजीसीए ने आज एक सर्कुलर में कहा कि 26 जून 2020 को जारी सर्कुलर में आंशिक संशोधन करते हुये इसकी अवधि 31 जुलाई 2021 की रात 11 बजकर 59 मिनट तक के लिए बढ़ा दी गई है। इस सर्कुलर के तहत देश में नियमित अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के परिचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है।डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि मालवाहक उड़ानों तथा विशेष अनुमति प्राप्त उड़ानों के परिचालन पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। साथ ही द्विपक्षीय समझौतों के तहत चुनिंदा देशों के साथ 'एयर बबल' व्यवस्था में शुरू की गई उड़ानों पर भी प्रतिबंध प्रभावी नहीं होगा।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद भारत बायोटेक को बड़ा झटका

ब्राजील ने सस्पेंड की कोवैक्सीन डील

चर्चित राजनीति। एजेंसी

हैदराबाद। भारत बॉयोटेक के कोविड-19 टीके- कोवैक्सीन की दो करोड़ खुराकें खरीदने पर सहमत हुई ब्राजील की सरकार ने समझौते में अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद करार को निलंबित करने की बुधवार को घोषणा की जबकि भारतीय दवा निर्माता ने कहा है कि उसे कोई अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुए हैं। शहर स्थित कंपनी ने कहा कि उसके कोई अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है और कहा कि कंपनी ने करार, नियामक मंजूरियों और आपूर्तियों के लिहाज से ''ब्राजील'' में भी समान दृष्टिकोण'' का पालन किया जो उसने दुनिया के अन्य देशों में कोवैक्सीन की सफल आपूर्ति के लिए किया है। ब्राजील सरकार के फैसले की घोषणा करते हुए, उसके स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि, संघ के महानियंत्रक कार्यालय (सीजीयू) की अनुसंशा पर, स्वास्थ्य मंत्रालय इस मंगलवार (29 जून) से कोवैक्सीन से कोविड-19 टीके की खरीद के लिए हुए करार को अस्थायी तौर पर निलंबित करता है। मंत्रालय ने कहा, यह कदम ब्राजील में कोविड 19 के खिलाफ टीकाकरण अभियान की गति को प्रभावित नहीं करेगा और सार्वजनिक प्रशासन में अनुपालन व्यवहारों का अनुसरण करता है। इस करार का मूल्यांकन स्वास्थ्य मंत्रालय का सत्यनिष्ठ निदेशालय करेगा जो प्रशासनिक जांच भी करेगा। इसने कहा कि यह इकाई करार की शर्तों को निर्धारित करने में नियंत्रक के साथ काम करेगी। इसपर प्रतिक्रिया करते हुए, भारत बायोटेक ने कहा कि कंपनी को कोई अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है न ही इसने ब्राजील को किसी टीके की आपूर्ति की है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 29 जून 2021 तक, भारत बायोटेक को कोई अग्रिम भुगतान नहीं मिला है न ही उसने ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय को टीके की आपूर्ति की है।इसने कहा, ''भारत बॉयोटेक ने करार, नियामक स्वीकृतियों और आपूर्तियों के लिहाज से उसी दृष्टिकोण का पालन किया है जो उसने दुनिया के उन देशों में भी किया जहां कोवैक्सीन की सफल आपूर्तियां की गई हैं। प्रेसिसा मेडिकामेंटोस ब्राजील में भारत बायोटेक की साझेदार है जो नियामक प्रस्तुतियों, लाइसेंस, वितरण, बीमा, तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण आदि के आयोजन में सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध करा रही है। ब्राजील के साथ कोवैक्सीन करार उस वक्त विवादों में घिर गया जब दक्षिण अमेरिकी देश के अटॉर्नी जनरल ने सौदे में जांच शुरू कर दी। सीजीयू के मंत्री, वाग्नर रोसरियो ने बताया कि यह निलंबन एक एहतियाती उपाय है। उन्होंने कहा, हमने पिछले हफ्ते एक प्रारंभिक जांच शुरू की थी जो करार के संबंध में एक विशेष ऑडिट है। निलंबन की अवधि बस आकलन किए जाने तक रहेगी। हमने प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए प्रबल टीम को लगाया है।सीजीयू ने कहा कि उसने कोवैक्सीन के करार में संभावित अनियमितताओं में 24 जून को जांच शुरू की थी। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री मार्सेलो क्विरोगा ने ट्वीट किया, सीजीयू ऑनलाइन की अनुशंसा पर हमने कोवैक्सीन करार को अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, सीजीयू के प्रारंभिक विश्लेषण के मुताबिक, करार में कोई अनियमितता नहीं हैं लेकिन अनुपालन के कारण मंत्रालय ने और विश्लेषण के लिए करार को रोकने का फैसला किया है। भारत बायोटेक लिमिटेड ने 26 फरवरी को कहा था कि उसने 2021 की दूसरी और तीसरी तिमाही के दौरान कोवैक्सीन की दो करोड़ खुराकों की आपूर्ति के लिए ब्राजील की सरकार के साथ एक समझौता किया है।